हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 13 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 34.0 डिग्री
न्यूनतम 28.0 डिग्री

10 भक्तों ने शिवालय में पहुंच कर लगाए.....

10 पेपर बैग का उपयोग करने का दिया संदेश

खबर संक्षेप

45 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक गिरफ्तार

जींद। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से 45 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ नशा निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि पिल्लूखेड़ा निवासी मनोज स्मैक लिए हुए है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मनोज को काबू कर लिया।

लाठी, डंडे व चाकुओं से हमला कर किया घायल

कैथल। गांव खानपुर में हुए हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया। हमले में लाठी, डंडे और चाकू जमकर चले। गांव खानपुर के नरेश कुमार ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 9 जुलाई को जब सुबह अपने गांव से जा रहा था तो गांव के ही जिले सिंह, हाकम और गौरव ने मिलकर उसे पर लाठी, डंडे और चाकू से हमला करते हुए उसे घायल कर दिया।

कैंटर से युवक का शव बरामद, मचा हड़कंप

सफीदों। सफीदों रोड स्थित राजकीय कालेज के निकट एक कैंटर में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव मिलने से हडकंप मच गया। शव की सूचना मिलने पर सफीदों थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवाया है।

चोरी मामले में आरोपी दबोचा, बाइक बरामद

कैथल। बाइक चोरों पर शिकंजा कसते एक मामले की जांच दौरान थाना ढांड पुलिस के एचसी संदीप कुमार की टीम द्वारा आरोपी बरसाना निवासी शैंकी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ढांड निवासी साहिल गर्ग की शिकायत अनुसार 4 जुलाई को ढांड स्थित उसकी दुकान के पास से अज्ञात व्यक्ति उसकी बाइक चोरी करके ले गया।

राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए आवेदन 31 तक

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बढ़ावा देने के लिए भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान किया जाता है। वर्ष 2025 के लिए गृह मंत्रालय द्वारा ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आगामी 31 जुलाई तक अवार्ड पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

जमीनी विवाद में एक घायल, 11 नामजद

कैथल। गांव सारकपुर में जमीनी विवाद में एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने 11 व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पटियाला पंजाब के भुना रेडी के गुरप्रीत सिंह ने सीवन पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 11 जुलाई को सुल्तान सिंह, राजेश पुनिया, होशियार सिंह, जातविंदर सिंह द्वारा ठेके पर लिए गए खेत में ट्रैक्टर चला कर उसकी फसल को नुकसान कर दिया।

एल्युमनाई एसोसिएशन का चुनाव 7 सितंबर को

जींद। एल्युमनाई एसो.रा .कालेज प्रधान, उप प्रधान, सचिव, संयुक्त सचिव व कोषाध्यक्ष पद को लेकर चुनाव सात सितंबर को होगा। चुनाव अधिकारी डा. युद्धवीर रेढू ने बताया कि वोटर लिस्ट का चुनाव कार्यालय पर प्रकाशन 14 जुलाई को, लिस्ट पर वोटरों की आपत्ति 18 जुलाई तक कर सकते हैं। 13 अगस्त को अंतिम सूची के बाद सात सितंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक मतदान होगा।

एक किलोग्राम अफीम सहित नशा तस्कर काबू

कैथल। एंटी नारकोटिक्स सैल द्वारा कलायत से एक नशा तस्कर को 1 किलोग्राम अफीम सहित काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एसआई राजबीर सिंह की अगुवाई में एसआई जोगिंद्र सिंह की टीम को सूचना मिली थी।

गांव प्यौदा में मुफ्त बिजली योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे नायब सिंह सैनी

ज्यादा से ज्यादा लोग पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर बिल करें कमः मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

गांव के विकास कार्यों के लिए 21 लाख देने का ऐलान

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को कैथल के गांव प्यौदा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने सर्वप्रथम इस योजना के लाभार्थी के घर की छत पर लगे सोलर रूफटॉप सिस्टम को देखा और इसके लाभ के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गांव के विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में इस योजना की शुरूआत भी कैथल जिले से ही हुई थी और आज उन्होंने स्वयं लाभार्थी के घर पर इस सोलर सिस्टम को देखा है। सोलर सिस्टम से जहां एक ओर हमें ग्रीन ऊर्जा मिलती है, वहीं लोगों को बिजली के बिलों में भी बड़ी राहत मिल रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लोगों से आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएं और अपने बिजली बिल को कम से कम करें। इसके साथ-साथ मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में 1 लाख घरों की छतों पर मुफ्त में 2 किलोवाट के सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य रखा है। यह सिस्टम अंत्योदय परिवारों के घरों की छतों पर लगाया जा रहा है। जैसे ही 1 लाख परिवारों का लक्ष्य पूरा होगा, अगले 1 लाख और परिवारों को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी तक 26 हजार परिवार इस योजना का लाभ ले चुके हैं। कैथल में अभी तक 1707 परिवारों ने योजना के अंतर्गत सोलर सिस्टम लगवाया है। भारी-भरकम बिलों से मिल रही निजात : मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों की वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये तक है, उन परिवारों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार सोलर सिस्टम लगवाने पर सब्सिडी दे रही है। इससे लोगों को भारी-भरकम बिलों से निजात मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से यह योजना शुरू हुई और इस तरह का सिस्टम खड़ा हुआ। उन्होंने योजना का लाभ लेने वाले समस्त लाभार्थियों को बधाई दी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज प्रदेश के साढ़े 6 हजार गांवों में से 5800 से ज्यादा गांवों को म्हारा गांव जगमग गांव योजना के अंतर्गत 24 घंटे बिजली मिल रही है। उन्होंने बचे हुए शेष गांवों को भी इस योजना के अंतर्गत लाभ उठाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्यौदा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर सिस्टम का निरीक्षण करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर बीजेपी जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, जिला परिषद के चेयरमैन कर्मवीर कौल, बीजेपी के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर, जिला प्रशासन की ओर डीसी प्रीति, एसपी आस्था मोदी, एडीसी दीपक बाबूलाल करवा, ग्राम सरपंच रेखा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कैथल। सीएम नायब सिंह सैनी शहीद संजय सिंह के परिजनों से बातचीत करते हुए।

शहीद संजय सिंह को अर्पित किए श्रद्धा सुमन

कैथल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को गांव कवारतन में शहीद संजय सिंह के घर पहुंच कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने परिवार जनों से मुलाकात की और उन्हें ढाढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शहीद के परिवार के साथ खड़ी है। परिवार की नियमानुसार हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें अपने वीर जवानों पर गर्व है। बता दें कि भारतीय सेना की 10 सिक्ख रेजिमेंट में तैनात हवलदार संजय सिंह की तबीयत ड्यूटी के दौरान अचानक बिगड़ गई थी, जिसके चलते गत दिनों उनका देहांत हो गया था। संजय सिंह वर्तमान में लेह-लद्दाख में तैनात थे। उनके साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर, जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, जिला परिषद के अध्यक्ष कर्मवीर कौल, हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य रवि तारांवाली, बलजीत सैनी, गुरिया राम, दर्शन सैनी, जागर फौजी, मिठू राम सैनी, डॉ शमशेर, सतीश आदि मौजूद रहे।

हॉफ मैराथन को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था, वाहनों का रूट होगा डायवर्ट

कैथल। 13 जुलाई रविवार को कैथल में आयोजित होने वाली हॉफ मैराथन को लेकर एसपी आस्था मोदी के निर्देशानुसार पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर पुख्ता प्रबंध किए है। पुलिस प्रवक्ता ने हॉफ मैराथन को लेकर ट्रेफिक व्यवस्था के बारे बताया की 13 को सुबह 3 बजे से 9 बजे तक अम्बाला रोड़ छोटू राम चौक से लेकर राधास्वामी सतसंग भवन अम्बाला रोड़ तक बंद रहेगा। चीका चौक से विश्वकर्मा चौक तक बंद रहेगा। खुराना बाईपास से आरकेएम पैलेस तक व ढांड रोड़ से ट्रेन के साथ आना वाला रोड़ बंद रहेगा। सेक्टर 20 व सेक्टर 21 से अम्बाला रोड़ की तरफ आने वाले रोड़ बंद रहेंगे।

टीक में रहस्यमयी स्थिति में विवाहिता की मौत

कैथल। जिले के गांव टीक में रहस्यमयी स्थिति में एक विवाहिता की मौत हो गई। विवाहिता के परिजनों द्वारा उसके ससुराल पक्ष के लोगों पर उसे जहरीला पदार्थ पिलाकर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। इस बंद में गांव बुढ़ा खेड़ा के शमशेर ने सदर पुलिस कैथल को दिए शिकायत में बताया कि उसने अपनी बहन की शादी कुछ समय पूर्व गांव गोघ के बिट्टू के साथ की थी जो वर्तमान में गाँव टीक में रहते हैं। आरोप है कि बिट्टू ने उसके पिता कालूराम तथा मां गुड्डी देवी के साथ मिलकर 6 जुलाई को उसकी बहन को कोई जहरीला पदार्थ दे दिया जिसके कारण उसकी मौत हो गई। मामले के जांच अधिकारी उप निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लोगों की समस्याओं का निवारण करने के निर्देश

- कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने दौरा कर सफाई व्यवस्था व सीवर के पानी-व्यवस्था का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना से विधायक कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने नरवाना शहर का दौरा किया और शहर की समस्यायों से लोगों की मार्फत रुबरु होते सफाई व्यवस्था की जानकारी ली। उनके साथ भाजपा कार्यकर्ताओं की फौज के साथ डीएमसी जींद और नगर परिषद आयुक्त सुरेन्द्र दून कार्यकारी अधिकारी रविन्द्र पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारी मौजूद रहे और लोगों की समस्याएं सुनी और देखीं और मौके पर नगर परिषद के अधिकारीयों और पब्लिक हेल्थ विभाग के कर्मचारियों को समस्याओं से निजात दिलाने के दिशा निर्देश जारी किए। क्योंकि लोगों ने बताया कि भगतसिंह चौंक से एसडी कन्या महाविद्यालय तक थोड़ी सी बरसात में लबालब पानी भर जाता है और ये एरिया झील में तब्दील हो जाता है जिससे लोगों के दोपहिया वाहन पानी के बीच में ही बंद हो जाने से उनको अपने दोपहिया वाहन पानी में से खींच कर ले जाना पड़ता है जवान बच्चे तो निकाल कर ले जाते हैं बुजुर्ग लोगों को बहुत परेशानी उठानी पड़ती है स्कूल में जाने वाले बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।जगह-जगह सड़कें पर गढ़े हैं जिनका पानी भरा होने से पहले पता नहीं चल पाता है और दुर्घटना होने का भय बना रहता है। इसके अलावा जगह जगह पर कुडे के ढेर लगे हैं सफाई व्यवस्था का बुरा हाल है जिससे लोग प्रभावित हो रहें हैं। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने लोगों की समस्यायों को संज्ञान में लेते डीएमसी जींद और पब्लिक हेल्थ विभाग के एसडीओ को तुरंत कार्यवाही के लिए निर्देश दिए।

नरवाना। समस्या से अवगत करवाते शहरवासी। फोटो :हरिभूमि

बिजली का टूटा पोल दे रहा हादसों को न्योता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

पाई में बिजली विभाग शायद किसी बड़े हादसे की इंतजार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि गांव पाई में बरसाना रोड़ के पास कई दिनों से लाइट का पोल टुटा हुआ है ओर बिजली की तारे खुले में पड़ी हुई। जिससे कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है लेकिन इसकी ओर प्रशासन का कोई ध्यान नहीं प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है। ग्रामीण विकास, संजय, दिलबाग, रामपाल, राममेहर, महिन्द्र आदि ने बताया कि वे इस बारे में कई बारे में विभाग को अवगत करा चुके हैं, परन्तु इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अब उन्होंने विधायक सतपाल जांबा से इस समस्या का समाधान करने की मांग की है, ताकि कोई बड़ा हादसा न हो अब देखने वाली बात होगी की कब तक इस समस्या का समाधान होता है या फिर प्रशासन कोई बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है

जींद। प्रेक्टिस करते खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

नर्सरियों के कोच के लिए राशि जारी

जींद। खेल नर्सरियों में खिलाड़ियों को तैयारी करवाने वाले कोच को खेल विभाग की ओर से नवंबर 2024 से लेकर जनवरी 2025 तक का मानदेय दिया जाएगा। खेल विभाग की ओर से प्रदेशभर में 933 नर्सरियों को कोच के लिए पांच करोड़ 70 लाख नौ हजार 481 रुपये की राशि जारी की गई है। जो कोच के खाते में भेजी जाएगी। पिछले सत्र 2024-25 में हिसार में सबसे ज्यादा 86 और इसके बाद जींद जिले में 82 निजी खेल नर्सरियां अलॉट हुई थी। इससे पहले कोच को लगभग साढ़े चार महीने का मानदेय मिल चुका है। वहीं दूसरी ओर खेल नर्सरियों में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों को पिछले साल की डाइट राशि अभी तक नहीं मिली है। एक नर्सरी में 25 खिलाड़ी अभ्यास करते हैं। जबकि इस साल के सत्र में जींद जिले में 60 सरकारी स्कूलों और ग्राम पंचायतों को खेल नर्सरियां तो अलॉट हो चुकी हैं और निजी खेल नर्सरियां अलॉट होना बाकी हैं। खेल विभाग की तरफ से आठ से 14 वर्ष के खिलाड़ियों को 1500 रुपये और 15 से 19 वर्ष के खिलाड़ियों को दो हजार की राशि दी जाती हैए लेकिन सरकार की ओर से बजट जारी नहीं होने के कारण खिलाड़ियों को अभी तक डाइट राशि नहीं मिल पाई है।

अंडरपास का गाटर टूटकर गिरा

जींद। देवीलाल चौक अंडरपास पहले से एक सप्ताह से बंद है। इससे मिनी बाईपास पर लोड बढ़ा। इसके कारण अंडरपास का एक गाटर टूट कर गिर गया। इस घटना से यातायात प्रभावित हुआ। दूसरी तरफ का गाटर भी गिरने की कगार पर हैए जो सुरक्षा चिंता बढ़ाता है। शनिवार को रोहतक रोड मिनी बाईपास अंडरपास पर एक गाटर टूट कर नीचे गिर गया। इससे रास्ता अवरुद्ध हो गया और यातायात प्रभावित हुआ। यह घटना गंभीर हादसे का कारण बन सकती थी लेकिन हादसा होने से बच गया। जींद विकास संगठन के अध्यक्ष राजकुमार गोयल ने प्रशासन से अपील की है कि गाटरों की मरम्मत तुरंत की जाए। क्योंकि दूसरी तरफ का गाटर भी गिरने की कगार पर है। इसके अलावाए देवीलाल चौक अंडरपास पहले से एक सप्ताह से बंद है। जिससे रोहतक रोडए भिवानी रोड और हांसी रोड से आने वाले लोगों के लिए मिनी बाईपास एकमात्र विकल्प था।

जींद। रोहतक रोड मिनी बाईपास के अंडरपास का गिरा गाटर।

पुंडरी ड्रेन का बजट चौशाला माइनर पर खर्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

नरवाना डिवीजन में नहर और मनरेगा विभाग के अधिकारियों पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। गांव बालू के समाजसेवी गुरदेव सिंह ने खुलासा किया है कि पुंडरी ड्रेन के लिए स्वीकृत बजट को चौशाला माइनर पर खर्च किया जा रहा है। आरोप है कि कागजों में पुंडरी ड्रेन पर मजदूरों की हाजिरी लगाई जा रही है, जबकि असल में काम चौशाला माइनर पर हो रहा है।

गुरदेव सिंह के अनुसार, मस्टरोल नंबर 1232 से 1238 तक और 1158 से 1162 तक के तहत 2 से 17 जुलाई तक मजदूरों को पुंडरी ड्रेन पर दर्शाया गया है, लेकिन वे चौशाला माइनर पर काम कर रहे हैं। गुरदेव सिंह ने बताया कि मई और जून में भी इसी माइनर पर काम हुआ था, जो एक बड़े घोटाले की ओर इशारा करता है। गुरदेव सिंह ने बताया कि छोटे से चौशाला माइनर पर तीन महीने से सैकड़ों मजदूरों से काम करवाया जा रहा है, जबकि बड़ी ड्रेन और नहरें गंदगी से भरी पड़ी हैं। उन्होंने प्रशासन से इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

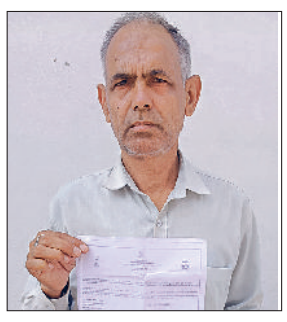

कलायत। गंदगी से अटी पुंडरी ड्रेन व मस्टरोल से संबंधित दस्तावेज दिखाते गुरदेव।

मामले की गहनता से जांच की जाएगी

कलायत बीडीपीओ रितु लाठर ने बताया कि मस्टरोल से संबंधित मामला उनके अभी संज्ञान में है। एबीपीओ से संबंधित दस्तावेज मंगवा पूरे मामले की गहनता से जांच की जाएगी । जांच के बाद नियम अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

एंड्रोमेडा कैंसर अस्पताल
कैंसर की पूरी, विश्वस्तरीय जांच और इलाज
कैंसर के इलाज के लिए अब दिल्ली क्यों जाना ?
एंड्रोमेडा कैंसर हॉस्पिटल
अब
CGHS
और
CISF, CRPF, CAPF, SSB, BSF,
ITBP, NSG, Delhi Police
पैनलों में शामिल
अपॉइंटमेंट एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
9138111625
एंड्रोमेडा कैंसर अस्पताल
सुशांत सिटी, कुंडली,
रसोई गाँव के पास, सोनीपत
www.andromedahospital.in
NABH मान्यता प्राप्त
Scan the code to open the Google Map

खबर संक्षेप

मजदूरों के काम पर रोक नहीं होगी बर्दाश्त : जोगेंद्र

जींद। भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा संबधित सीटू जिला प्रधान जोगेंद्र ईगराह ने सरकार द्वारा निर्माण मजदूरों के रोके गए तमाम कामों को तुगलकी फरमान बताया है। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई को प्रदेश के कल्याण बोर्ड ने श्रम मंत्री अनिल विज की सिफारिश पर निर्माण मजदूरों के तमाम कार्य इस बात पर रोक लगा दी कि कल्याण बोर्ड में भ्रष्टाचार फैला हुआ है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर होगा सेमिनार

जींद। महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन द्वारा हरियाणा नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से राजकीय कन्या वमावि में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर डिजिटल स्किल्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। डिजिटल समर कैंप में भाग लेने वाली 150 से अधिक छात्राओं को सहभागिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

सप्ताह में एक दिन ड्राई डे अवश्य मनाएं

जींद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामराय के तहत जलालपुर खुर्द गांव में एमपीएचडब्ल्यू इंदू शर्मा, दिनेश, संदीप, आशा वर्कर की टीम द्वारा गांव में रैपिड फीवर मास सर्वे किया। स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने रैपिड फीवर मास सर्वे के दौरान बुखार पीड़ित की रक्त पट्टिका बनाई और घरों के टंकी, छतों पर पड़े कबाड़ आदि में लार्वा की जांच की व मच्छरजनित बीमारियों से बचाव बारे पंपलेट भी बांटे गए।

ग्रामीण सफाई कर्मियों ने स्थगित किया धरना

जींद। मई व जून महीनों का वेतन, वर्दी भत्ता, धुलाई भत्ता व औजार भत्ता जारी करवाने आदि की मांगों को लेकर जुलाना ब्लॉक के ग्रामीण सफाई कर्मियों ने 10 जुलाई से चल रहे बीडीपीओ कार्यालय पर धरना को 16 जुलाई तक स्थगित कर दिया है। यह फैसला बीडीपीओ द्वारा वेतन के बिलों व अन्य भत्तों के बिलों पर हस्ताक्षर के बाद लिया गया। कर्मियों ने कहा कि अगर 16 तक वेतन नहीं आया तो अगले ही दिन धरना शुरु कर दिया जाएगा।

रजाना खुर्द में चलाया बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान

जींद। रजाना खुर्द गांव में लिंगानुपात को देखते हुए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान चलाया गया। जिसकी अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी मीनाक्षी बूरा ने की। उन्होंने बताया कि एक बेटी दो परिवारों को खुशी प्रदान करती हैं। बेटी घर आंगन की शोभा होती हैं। बेटा बेटी में फर्क करना हमारे समाज की सबसे बड़ी मूर्खता है।

श्रीमद भागवत कथा 10 अगस्त से

उचाना। आगामी 10 अगस्त से अनाज मंडी में शैड के नीचे श्रीमद भागवत सप्ताह कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। अरविंद शास्त्री महाराज चित्रकूट धाम कथावाचक होंगे। दोपहर तीन बजे से लेकर शाम छह बजे तक कथा होगी। सज्जन गर्ग, सतपाल करसिंधु ने बताया कि कई सालों से श्रीमद भागवत सप्ताह कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। 10 से 16 अगस्त तक कथा होगी तो 17 अगस्त को दिव्य हवन यज्ञ एवं भंडारे का आयोजन होगा।

संदिग्ध परिस्थियितों में मंदबुद्धि युवती लापता

जींद। शहर के निजी स्कूल में पढने वाली चौथी कक्षा की छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भटनागर कालोनी निवासी अमित ने शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी मंदबुद्धि है।

वार्ड तेरह में चलाया फीवर मास सर्वे

जुलाना। जुलाना कस्बे के वार्ड 13 में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फीवर मास सर्वे चलाया। अभियान के तहत वार्ड से 40 लोगों की रक्त पट्टिकाएं ली गई। स्वास्थ्य निरीक्षक सत्यवीर ने बताया कि लोगों को मलेरिया के प्रति जागरूक किया गया है। स्वास्थ्य निरीक्षक रमेश कुमार ने कहा कि अपने आसपास पानी इक्ठठा ना होनें दें।

श्रद्धालु कावड़ लाने के लिए हरिद्वार के लिए हो रहे रवाना

भक्तों ने शिवालय में पहुंच कर लगाए शिव शंकर के जयकारे

जयंती देवी मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया शिव चालीसा का पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। जयंती देवी मंदिर में भगवान शिव की पूजा करते हुए श्रद्धालु। *फोटो :हरिभूमि*

सावन माह की शुरूआत शुक्रवार से हो चुकी है। शनिवार को दूसरे दिन श्रद्धालुओं ने शिवालय में पहुंच कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। सावन माह नौ अगस्त तक चलेगा। इस पवित्र महीने में शिव भक्तों का भगवान शिव की पूजा को लेकर विशेष महत्व है। जयंती देवी मंदिर में ही श्रद्धालु सुबह ही पहुंचना शुरू हो जाते हैं और भगवान शिव की पूजा करते हैं। भक्त शिवलिंग पर गंगाजल, बेलपत्र, दूध, दही, शहद चढ़ाकर पूजा अर्चना कर रहे हैं। 23 जुलाई को सावन माह में ही शिवरात्रि मनाई जाएगी। जिसका आध्यात्मिक महत्व और भी अधिक है। जयंती देवी मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया शिव चालीसा पाठः जयंती देवी मंदिर में शनिवार को शिव भक्तों ने रुद्राभिषेक मंत्र जाप और शिव चालीसा का पाठ किया और सुख, शांति और समृद्धि की कामना की की। मंदिर के पुजारी पंडित नवीन शास्त्री ने बताया कि सावन माह के पवित्र दिनों में प्रतिदिन सुबह रुद्राभिषेक होगा। मंदिर में भीड़ प्रबंधन के लिए उचित इंतजाम किए गए हैं। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि हिंदू धर्म में सावन माह शिव भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। पौराणिक मान्यता है कि इस माह में समुद्र मंथन के दौरान निकला हलाहल विष भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण किया था। जिससे उनकी भक्ति का महत्व और बढ़ गया। सावन में शिव पूजा, रुद्राभिषेक और जलाभिषेक करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। भक्त मानते हैं कि इस दौरान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और मनोकामनाएं पूरी करते हैं। वहीं सावन माह में वर्षा ऋतु होती है और प्रकृति का शांत, हरित वातावरण शिव की तपस्या और शांति से मेल खाता है।

भक्ति का प्रतीक

गंगा जल, बेलपत्र, और अन्य पूजन सामग्री इस समय आसानी से उपलब्ध होती है। वहीं सावन माह में शिव भक्त कावड के माध्यम से गंगा जल हरिद्वार से लाकर पैदल यात्रा करते हैं और शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं। यह भक्ति का प्रतीक है। इसलिए सावन माह शिव भक्तों के लिए भक्ति, तप और आध्यात्मिक उत्साह का समय होता है।

पंजाब में बनेगी भाजपा की सरकार: कंडेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा सहकारी श्रम व निर्माण प्रसंग के पूर्व अध्यक्ष व भारतीय के भाजपा वरिष्ठ नेता टेकराम कंडेला ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान व आप से पंजाब के किसान, मजदूर, गरीब आदमी पूरी तरह से परेशान हैं। किसानों को पंजाब में किसी प्रकार की सुविधा नहीं मिल रही है। आज पंजाब का हर आदमी आप से तंग आ चुका है आने वाले विस चुनाव में भाजपा की सरकार बनेगी। कंडेला ने कहा कि एसवाईएल नहर हमारे हरियाणा की जीवन रेखा है। पंजाब हमारा बड़ा भाई है। बड़ा भाई छोटे भाई का हक नही मारता है। इस बारे में केंद्र सरकार हरियाणा व पंजाब के मुख्यमंत्री से मीटिंग कर चुके हैं। जिसका जल्द समाधान निकलेगा। हरियाणा को उसके हक का पानी जरूर मिलेगा।

बिहार के चुनाव पर बोलते कंडेला ने कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार बनना लगभग तय है। बिहार के लोग लालू यादव का गुंडाराज जमीनों पर कब्जे चारा घोटाला आदि पहले ही देख चुके हैं। इसलिए बिहार में भी एनडीए की सरकार स्पष्ट बहुमत से बनेगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी की बढ़ती लोकप्रियता से कांग्रेसी की नींद हराम हो चुकी है। मुख्यमंत्री दिन, रात किसान मजदूर वह गरीब आदमी की बीच में रह कर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं।

इंडिया गठबंधन लुटेरों का गिरोह

कंडेला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पिछले लोकसभा में जो इंडिया गठबंधन बनाया गया था, यह चोरों और लुटेरों का गिरोह था। जो पूरी तरह से विधानसभा चुनाव में बिखर चुका है। अब लोग इनकी बातों के झांसों में आने वाले नही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान, मजदूर व गरीब आदमी की सेवा करके भारत का डंका दूसरे देशों में भी बजाने का काम किया है। आने वाले अगले चुनाव में कांग्रेस पार्टी परिवारवाद व भ्रष्टाचार से गिरे होने के कारण कांग्रेस पार्टी का पूरी तरह से सफाया हो जाएगा।

जींद। उज्जवला दृष्टि योजना के तहत बुजुर्गों को चश्मे देते चिकित्सक।

बुजुर्गों को वितरित किए चश्मे

जींद। जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में को दृष्टि हीनता को जड़ से समाप्त करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा उज्जवल दृष्टि योजना की शुरूआत की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता की सीएमओ डा. सुमन कोहली ने की। कार्यक्रम में डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला, डिप्टी सीएमओ डा. पालेराम कटारिया, डिप्टी सीएमओ डा. रमेश पांचाल, नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. गितांशु सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम में अस्पताल आए लोगों की जांच की गई और उन्हें मुफ्त चश्में वितरित किए गए। पहले दिन लगभग 755 लोगों को चश्मे वितरित किए गए। चश्मे लेने वालों में सबसे ज्यादा संख्या वृद्धों की रही और उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की इस मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि वो भी अब चश्मे के माध्यम से और ज्यादा अच्छे से देख पाएंगे। सीएमओ डा. सुमन कोहली ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य लोगों को मुफ्त चश्में उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही 45 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को निकट दृष्टि सुधार प्रदान करने के उद्देश्य से इस अभियान की शुरूआत हुई है।

आईटीआई में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला कल

जींद। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में 14 जुलाई को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह मेला युवाओं को प्रशिक्षुता कार्यक्रम से जोडने और उन्हें रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्थान के प्रधानाचार्य नरेश कुमार पांचाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन भारत सरकार की शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में आईटीआई उत्तीर्ण एवं अंतिम वर्ष में अध्ययनरत लगभग 1600 प्रशिक्षुओं की भागीदारी सुनिश्चित की है। इसके अतिरिक्त 10वीं व 12वीं कक्षा पासआउट विद्यार्थियों को भी इस मेले में भाग लेने का अवसर प्रदान किया गया है।

परिचय सम्मेलन का आयोजन

जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा द्वारा आगामी सात सितंबर को महाराजा अग्रसेन वमावि जींद में उत्तर भारत स्तर का विवाह योग्य अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन को लेकर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष राजकुमार गोयल द्वारा अपनी टीम के साथ जगह जगह बैठकों का दौर जारी कर दिया गया है। इसी कड़ी में पटियाला चौक स्थित बीएस मेमोरियल स्कूल में अग्रवाल जागरूकता मंच के अध्यक्ष बीएस गर्ग की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। प्रधान राजकुमार गोयल ने कहा कि सात सितंबर को होने वाला यह सम्मेलन एक ऐतिहासिक और भव्य सम्मेलन होगा। इसमें हरियाणा सहित दिल्लीए पंजाबए राजस्थानए उत्तर प्रदेशए चंडीगढ़ आदि राज्यों से हजारों की संख्या में अग्रबंधु शामिल होंगे।

जींद। बैठक को संबोधित करते राजकुमार गोयल। *फोटो :हरिभूमि*

दाड़न खाप के पालवां चबूतरे पर आयोजित बैठक में भाग लेते खाप सदस्य।

सर्व जातीय दाड़न खाप चलाएगी पौधरोपण

उचाना। सर्व जातीय दाड़न खाप चबूतरा पालवां पर मीटिंग हुई। मीटिंग की अध्यक्षता खाप के प्रधान सूरजभान घसो ने की। मीटिंग में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। खाप के गांवों में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, जल बचाओ, पौधरोपण करने सहित अन्य समाज हित में अभियान चलाने को लेकर चर्चा की गई। जुलाई के माह में अधिक से अधिक पौधरोपण खाप के गांवों में करने के साथ-साथ ग्रामीणों को पौधरोपण करने का संकल्प दिलाने का भी फैसला लिया। गांव-गांव जाकर संस्कार कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला लिया गया ताकि जो युवाओं के अंदर संस्कार कम हो रहे है वो कम न हो। सूरजभान घसो ने कहा कि गांव-गांव जाकर संस्कार कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं से मीटिंग की जाएगी। विद्यार्थियों को भी मीटिंग में बुलाया जाएगा। आज के विद्यार्थियों युवाओं में संस्कार की कमी हो रही है। जिस तरह की वारदातें सामने आ रही है वो चिंतनीय है। आज विद्यार्थियों का गुरू के प्रति युवाओं को बुजुर्गों के प्रति सम्मान कम होना भविष्य के लिए अच्छे संकेत नही है। हमें अपने जीवन में संस्कारों को अपनाना होगा।

प्रवचन समारोह का आयोजन

जींद। ऋषि सुखदेव महाराज के सानिध्य में रोहतक रोड स्थित कला धाम में गुरु पर्व महोत्सव दिव्य आनंद अनुभूति सत्संग व प्रवचन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित नाम दीक्षा समारोह में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने ऋषि सुखदेव महाराज से नाम दीक्षा ग्रहण की और मानव जीवन को सार्थक व सफल बनाने का आशीर्वाद लिया। ऋषि सुखदेव महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते कहा कि हृदय में ज्ञान का दीपक जला कर अनंत दिव्य प्रकाश करने वाले पूर्ण पारब्रह्म सतगुरु साक्षात भगवान ही है। पूर्ण सतगुरु तो सत्य गूढ़ ज्ञान एवं वास्तविक आनंद के अथाह सागर हैं। जो भक्त की जीवन रुपी नैया को भवसागर से पार उतारते हैं और अपने सच्चे भक्त को परमपिता प्रभु भगवान के असली माल, सत्य ज्ञान और वास्तविक आनंद से भरपूर बनाते हैं।

जींद। सत्संग सुनते हुए श्रद्धालु। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। लिंग भेद कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता। *फोटो :हरिभूमि*

लिंग संवेदनशीलता पर कार्यशाला

जींद। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल में लिंग संवेदनशीलता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। दीप प्रज्जवलित करके कार्यशाला की शुरुआत की गई। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों के लगभग 60 शिक्षकों ने भाग लिया। डीएवी प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी ने कार्यशाला के विषय में कहा कि विद्यालय में इस प्रकार की कार्यशालाएं निरंतर लगाई जाती है। लिंग संवेदनशीलता के विषय में उन्होंने कहा कि लिंग संवेदनशीलता का अर्थ है पुरुषों और महिलाओं के प्रति समान रूप से संवेदनशील होना। उनके प्रति सम्मान रखना और उनके साथ समान व्यवहार करना। इसका मतलब है लिंग के आधार पर भेदभाव या पूर्वाग्रह से बचना और यह सुनिश्चित करना कि सभी को समान अवसर और सम्मान मिले। उन्होंने बताया कि लिंग समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के माध्यम से लिंग संवेदनशीलता की शिक्षा और व्यवहार संशोधन को प्रोत्साहित करने की प्रक्रिया है।

जींद। योग करते हुए छात्राएं। *फोटो :हरिभूमि*

ग्रीष्मकालीन अवकाश में इंटर्नशिप करना अनिवार्य

जींद। नई शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) के तहत स्नातक द्वितीय वर्ष तथा परास्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए परीक्षाओं के उपरांत ग्रीष्मकालीन अवकाश में इंटर्नशिप करना अनिवार्य है। इसी निर्देश को ध्यान में रखते महाविद्यालय द्वारा दो निजी संस्थानों के साथ एमओयू किया गया है। इन संस्थानों के माध्यम से विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, डिजिटल मार्केटिंग एवं वीडियो एडिटिंग जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इनमें से साइबर सुरक्षा की कक्षाएं महाविद्यालय परिसर में, जबकि अन्य दो पाठ्यक्रम एडब्ल्यूएल के अपने प्रशिक्षण संस्थान में संचालित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्तए महाविद्यालय अपने स्तर पर भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु फैशन डिजाइनिंग तथा योग एवं ध्यान की कक्षाएं संचालित करवा रहा है। प्राचार्य डा. पूनम मोर तथा इंटर्नशिप संयोजक डा. उपासना द्वारा महाविद्यालय परिसर में संचालित इन इंटर्नशिप पाठ्यक्रमों का निरीक्षण किया गया एवं विद्यार्थियों से उन्हें पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रमों की प्रतिक्रिया फीडबैक भी प्राप्त की गई।

गुरु रविदास ने आत्म सुधार और आत्मज्ञान के महत्व पर दिया जोर : देवेंद्र चतरभुज अत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

बड़ौदा भगवान रविदास मंदिर में विधायक देवेंद्र चतरभुज को सम्मानित करते हुए।

भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री बड़ौदा गांव में भगवान रविदास मंदिर पहुंचे। यहां भगवान रविदास की प्रतिमा पर माल्यापण किया। यहां पर वो कार्यक्रम से रूबरू होने के साथ-साथ उनकी समस्याओं को भी सुना। अत्री ने कहा कि गुरु रविदास एक महान संत और समाज सुधारक थे जिन्होंने 15वीं शताब्दी में भारतीय समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव और असमानता के खिलाफ आवाज उठाई और सभी लोगों की समानता की वकालत की। उन्होंने लोगों को भगवान की भक्ति करने और प्रेम के माध्यम से समाज में एकता और सौहार्द्र बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कहा कि गुरु रविदास ने आत्म सुधार और आत्मज्ञान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लोगों को अपने अंदर की कमियों को दूर करने और आत्म.विकास के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। गुरु रविदास की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं और उनका प्रभाव भारतीय समाज पर देखा जा सकता है। वह एक महान संत और समाज सुधारक के रूप में जाने जाते है।

जींद। कार्यक्रम में मौजूद संघ के पदाधिकारी। *फोटो :हरिभूमि*

पूरा सावन माजरा में महिलाएं करेगी भजन

जींद। जिला पूर्व सैनिक संघ के तत्वावधान में वीर नारी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें 80 साल से ज्यादा उम्र के पूर्व सैनिकों तथा 50 वीर नारियों को सम्मानित किया गया। प्रत्येक बुजुर्ग पूर्व सैनिक को एक साफा, एक डोगा तथा 1100 रुपये की नगद राशि भेंट की है तथा साथ ही प्रत्येक वीर नारी को 5500 रुपये की नकद राशि तथा एक साल भेंट करके सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता जिला प्रधान कर्नल सूबे सिंह ढांडा ने की। मुख्यअतिथि के तौर पर पूर्व सैनिक संघ के प्रधान कर्नल आरएस मलिक उपस्थित थे। जिला लीग के 100 पूर्व सैनिक तथा सीमावर्ती जिलों से आमंत्रित लगभग 30 पूर्व सैनिकों ने भी हिस्सा लिया। कर्नल आरएस मलिक, कर्नल टीसी दहिया, कैप्टन सुखबीर सिंह ने भी अपने विचार रखें। समारोह में जिला पूर्व सैनिक संघ के सदस्य सूबेदार मेजर महावीर, नायब सूबेदार सतबीर, सूबेदार मेजर रणबीर सिंह, कैप्टन बलदेव सिंह, नायब सूबेदार किताब सिंह, नायब सूबेदार राजबीर सिंह, हवलदार राजबीर सिंह, हवलदार राजू देशवाल, हवलदार अमरजीत आदि मौजूद रहे।

मोतीलाल स्कूल में पेपर बैग-डे का आयोजन

पेपर बैग का उपयोग करने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते एनसीसी कैडेट्स। *फोटो :हरिभूमि*

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पेपर बैग डे का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय की एनसीसी यूनिट द्वारा किया गया। जिसमें छात्रों ने पर्यावरण हितैषी सोच को बढ़ावा देने के लिए पेपर बैग बनाकर प्लास्टिक के विकल्प के रूप में उनके उपयोग का संदेश दिया। विद्यालय की एनसीसी अधिकारी सीटीओ रजनी व प्रशिक्षक हरदीप कुमार की देखरेख में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उन्होंने छात्रों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों और उसके विकल्प के रूप में कागज के थैलों के महत्व को विस्तार से समझाया। जिसमें छात्रों को यह बताया गया कि प्लास्टिक किस प्रकार हमारे पर्यावरण को प्रदूषित कर रही है और इसके विकल्पों को अपनाना क्यों आवश्यक है। पेपर बैग प्रतियोगिता में छात्रों ने अत्यंत उत्साह से भाग लिया। प्रतिभागियों ने रंग, बिरंगे, सृजनात्मक और उपयोगी कागज के थैले बनाए और उन्हें सजा कर प्रस्तुत किया। छात्रों की रचनात्मकता और पर्यावरण के प्रति उनकी सजगता देखते ही बनती थी। इस प्रतियोगिता में मेघा ने प्रथम स्थान, सोनाक्षी ने द्वितीय स्थान और नितिन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन विजेताओं को विद्यालय के प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्राचार्य रविंद्र कुमार ने अपने संदेश में कहा कि आज का युवा ही कल का भविष्य है। यदि हम आज से ही अपने व्यवहार में छोटे-छोटे परिवर्तन लाना शुरू कर दें। उन्होंने सभी छात्रों से अपील की कि वे प्लास्टिक का प्रयोग बंद करें और अपने परिवार व समुदाय को भी इसके लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के अंत में सभी एनसीसी कैडेट्स और प्रतिभागियों ने मिलकर यह शपथ ली कि वे आगे से प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करेंगे और अधिक से अधिक लोगों को इसके प्रति जागरूक करेंगे। विद्यालय प्रशासक वीपी शर्मा और हेड कोऑर्डिनेटर सुरेंद्र कुमार ने कहा कि विद्यालय की एनसीसी यूनिट ने यह साबित कर दिया कि यदि युवा पीढ़ी संकल्प कर ले तो पर्यावरण संरक्षण कोई कठिन कार्य नही है।

उचाना। सेढ़ा माजरा गांव में पार्क में चल रहा भजन, कीर्तन। *फोटो :हरिभूमि*

माजरा में पूरा सावन महिलाएं करेगी भजन

उचाना। सेढ़ा माजरा गांव के पार्क शहीद दिनेश सिंह खटकड़ गांव में भजन, कीर्तन का आयोजन हुआ। 11 जुलाई से शुरू सावन माह से भजन.कीर्तन शुरू हुआ जो पूरे सावन माह चलेगा। महिलाओं ने बताया कि हर रोज शाम को पार्क में गांव की महिलाएं एकत्रित होकर भजन कीर्तन करती है। भगवान शिवए पार्वती के भजन महिलाएं प्रस्तुत करती है। सावन माह भगवान शिव का सबसे प्रिय माह माना जाता है। इस पूरे माह महिलाएं पार्क में भजन.कीर्तन करेगी। कमल, बिमला, कमलेश, कृष्णा, भतेरी ने कहा कि हमें अपने जीवन में कुछ समय भगवान की भक्ति के लिए निकलना चाहिए। पूरे दिन में कम से कम एक घंटना हमें भजन.कीर्तन के लिए निकालना चाहिए। इस तरह के आयोजन समय-समय पर गांव में होते रहते है। भक्ति के प्रति बच्चों की रूचि भी बढ़ती है क्योंकि वो भी भजन कीर्तन में आते है। भक्ति में शक्ति होती है।

खबर संक्षेप

नवपदोन्नत प्रधानाचार्यों को सर्टिफिकेट ऑफ़ अचीवमेंट देकर व पुष्पमाला पहनाकर पदोन्नति की बधाई देते हुए।

नवपदोन्नत प्रधानाचार्यों को किया सम्मानित

राजौंद । हसला कैथल ने जिला प्रधान राजीव मलिक के नेतृत्व में कैथल जिले में नियुक्त नवपदोन्नत प्रधानाचार्यों को सर्टिफिकेट ऑफ़ अचीवमेंट देकर व पुष्पमाला पहनाकर पदोन्नति की बधाई व शुभकामनाएं दी। राजीव मलिक ने कहा कि नवपदोन्नत प्रधानाचार्यों ने पिछले लगभग बीस से तीस सालों तक प्रवक्ता के रूप में हसला में रहकर हसला को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम किया है। हमें बड़ी ख़ुशी है कि अब ये साथी प्रधानाचार्य बन गये हैं लेकिन वो हमेशा हसला का अभिन्न अंग रहेंगे। मलिक ने सभी साथियों को हसला कैथल की तरफ से हमेशा पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया व प्रधानाचार्य के रूप में उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

हरविंद्र व रीना बनीं कैथल हॉफ मैराथन की ब्रांड एंबेसडर

कैथल । भारतीय पैरालंपिक तीरंदाज हरविंद्र सिंह व पर्वतारोही रीना भाटी को 13 जुलाई को सुबह 5 बजे कैथल में आयोजित होने वाली हॉफ मैराथन का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया हैं। दोनों ब्रांड एंबेसडर स्वयं इस मैराथन में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शिरकत करेंगे। मैराथन में जन-जन को नशा मुक्त हरियाणा का संदेश दिया जाएगा। भारतीय पैरालंपिक तीरंदाज हरविंद्र सिंह ने भी आमजन का आह्वान किया कि वे इस हॉफ मैराथन में बढ़चढ़ कर भाग लें। यह सिर्फ एक अभियान नहीं, एक सोच है समाज के लिए। पर्वतारोही रीना भाटी ने भी कहा कि हमारी मंजिल पहाड़ों तक ही नहीं, असली मंजिल अपने आपसे लड़ने में है। नशा एक अंधेरा है जो जवानी में ही हमारे सपने का खा जाता है।

दीक्षा प्लेटफार्म पर शिक्षकों को दिया जाएगा ऑनलाइन

जींद । निपुण हरियाणा मिशन के तहत दीक्षा प्लेटफार्म पर शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण प्राथमिक शिक्षकों को 12 अगस्त तक पूरा करना होगा। इसके लिए हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारीए जिला परियोजना समन्वयक, खंड शिक्षा अधिकारी और खंड मौलिक शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी किया है। जारी किए गए पत्र के अनुसार विभाग की ओर से प्राथमिक कक्षाओं में बुनियादी शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों के लिए दीक्षा प्लेटफार्म पर दो ऑनलाइन कोर्स करवाए जा रहे हैं। जिसमें प्राथमिक शालाओं में साहित्य और समय बारे प्रशिक्षण दिया जाना है।

ग्रामीणों ने हाईवे पर जाम लगाने का किया प्रयास, मौके पर पहुंचे एसडीओ

एसडीओ ने ग्रामीणों को समझा कर जाम न लगाने के लिए किया राजी

एसडीओ ने जल्द ही लाइट दुरुस्त कराने का आश्वसन दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

ग्रामीणों को समझाते एसडीओ फोटो : हरिभूमि

बिजली की समस्या से परेशान कौल के ग्रामीणों ने करनाल पटियाला हाईवे मार्ग पर नहर पुल के नजदीक जाम लगाने का प्रयास किया तो, तुरंत सूचना मिलते ही मौके पर विद्युत निगम ढांड के एसडीओ प्रिंस भूरा मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा कर जाम न लगाने के लिए राजी किया। वहीं रामपाल, राजकुमार, रविंद्र, बसावा ने जानकारी देते हुए बताया कि संबंधित लाइनमैन द्वारा एसडीओ तथा ग्रामीणों को गुमराह किया गया। उन्होंने बताया कि वीरवार रात के समय अमर सिंह की कोठी के नजदीक रखा हुआ ट्रांसफार्मर खराब हो गया था। जिससे उनकी बिजली सप्लाई बंद हो गई थी। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने खराब हुए ट्रांसफार्मर की शिकायत एसडीओ को की। इसके बाद जब एसडीओ ने संबंधित लाइनमैन से उक्त ट्रांसफार्मर के बारे में जानकारी ली तो उसने एसडीओ को कहा कि ट्रांसफार्मर में कोई खराबी नहीं है बल्कि इस लाइन का पावर हाउस से परमिट लिया हुआ है। उसके बाद एसडीओ ने ग्रामीणों को कहा कि आपका ट्रांसफार्मर ठीक है और लाइन चालू होते ही लाइट आ जाएगी। इसके बाद भी उक्त टांसफार्मर के एरिया में लोगों के घरों बिजली नहीं आई। इससे क्रोधित होकर ग्रामीणों ने करनाल पटियाला हाईवे पर जाम लगा दिया। इसके बाद एसडीओ ने संबंधित लाइनमैन को मौके पर बुलाया और गुमराह करने पर उसे लताड़ लगाई। एसडीओ ने इस वक्त दूसरा ट्रांसफार्मर मंगवा कर खराब हुए ट्रांसफार्मर को बदलवाया। एसडीओ ने लाईनमैनों को चेतावनी दी कि भविष्य में इस प्रकार से गुमराह न किया जाए और अपने काम के प्रति लापरवाही ना बरतें।

बिजली से परेशान होकर लगाया था जाम

विद्युत निगम ढांड के एसडीओ प्रिंस भूरा ने बताया किकौल के ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना दी थी। इसके बाद संबंधित लाइनमैन से उक्त ट्रांसफार्मर के बारे में जानकारी ली तो उसने सही जानकारी नहीं दी। जिसकी वजह से ग्रामीण परेशान हुए और जाम लगा दिया। खराब हुए ट्रांसफार्मर के स्थान पर दूसरा ट्रांसफार्मर रखवाया जा रहा है। ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

बिजली के लिए ग्रामीण नहीं होंगे परेशान

लाइनमैन ने अपने उपर लगे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि पहली बार इलेक्ट्रॉनिक मीटर से ट्रांसफार्मर की सही तरीके से जांच नहीं हो पाई थी लेकिन दुबारा से नए इलेक्ट्रॉनिक मीटर से जांच की तो ट्रांसफार्मर में कमी पाई गई जिसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई इसके बाद तुरंत अधिकारी ने मौके पर ट्रांसफॉर्मर दिया है जिसको अभी जल्द ही सुचारू रूप से चला दिया जएगा। ग्रामीणों को बिजली संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी।

हलके के गांव में पौधारोपण के दौरान विधायक सतपाल जांबा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 11 गांवों में लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी हलके में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक पेड़ मां के नाम अभियान निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इस नेक पहल की अगुवाई कर रहे हैं स्थानीय विधायक सतपाल जांबा, जो अब तक 11 गांवों में करीब 5000 पौधे लगा चुके हैं। इस अभियान का उद्देश्य न सिर्फ पर्यावरण को हरा-भरा बनाना है, बल्कि मातृत्व के प्रति सम्मान और समर्पण को भी एक नई पहचान देना है। गांव म्यौली, फतेहपुर, रसीना, दूषैन, आंहु, ट्यौंठा, डुलयानी, संगरौली, धेरड़ू, साकरा और कौल में पौधारोपण कर इस मुहिम को जन-जन तक पहुंचाया गया। विधायक सतपाल जांबा स्वयं ग्रामीणों के बीच पहुंचकर पौधे लगा रहे हैं और लोगों को इस अभियान से जुडने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। ग्रामीणों में इस पहल को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है और हर गांव में युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक, सभी इस कार्य को जनआंदोलन का रूप देने में जुटे हैं। विधायक ने कहा कि यह सिर्फ पेड़ लगाने का अभियान नहीं, बल्कि माँ के प्रति श्रद्धा और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है। आने वाले दिनों में और अधिक गांवों को इस अभियान में शामिल कर लाखों पेड़ लगाने का लक्ष्य है। यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, हरियाली और जल संरक्षण का संदेश बनकर सामने आ रही है। इस मौके पर उनके साथ लाभ सिंह सरपंच जांबा, निजी सचिव डॉ. बलविंद्र मैहला संगरौली, पार्षद मुल्तान गोलन, प्रवीण गर्ग हाबड़ी, निधि मोहन, मदन मोहन, मनू वालिया फतेहपुर, प्रमोद पूंडीर, रिषि फतेहपुर सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रदेश के गुरुद्वारों में खोले जाएंगे प्राइमरी स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

गुहला चीका पत्रकारों से बात करते हुए एचएसजीपीसी के प्रधान जगदीश सिंह झींडा। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी निकट भविष्य में प्रदेश के गुरुद्वारों में प्राइमरी स्तर के स्कूल स्थापित करेगी। इन स्कूलों का उद्देश्य बच्चों को प्रारंभिक स्तर पर ही गुरमुखी की शिक्षा देना और उन्हें सिख धर्म की मूल विचारधारा से जोड़ना है ताकि भविष्य में यही बच्चे सिखी की मजबूत नींव बन सकें। यह जानकारी हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार जगदीश सिंह झींडा ने आज गुरुद्वारा पातशाही छैवीं एवं नौवीं, चीका में पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। उन्होंने बताया कि कमेटी शाहबाद के मीरी-पीरी कॉलेज को अपने अधीन लाने हेतु निरंतर प्रयासरत है, ताकि धार्मिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सके। झींडा ने आगे बताया कि अमृतसर स्थित हरियाणा सिख गुरुद्वारा कमेटी के हिस्से की जमीन को प्राप्त करने हेतु पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के प्रधान हरजिंद्र सिंह धामी को पत्र लिखा गया है। झींडा ने घोषणा की कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का स्थापना दिवस 14 जुलाई को कुरुक्षेत्र स्थित गुरुद्वारा साहिब में अत्यंत धूमधाम से मनाया जाएगा। इस विशेष अवसर पर उन सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने कमेटी की स्थापना के लिए संघर्ष किया और जेल तक गए।

जनहित के मुद्दों पर की चर्चा

पूर्व विधायक रणधीर गोलन ने किया ग्रामीणों से आत्मीय संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

गांव मुन्नारेहड़ी में ग्रामीणों के साथ पूर्व विधायक रणधीर सिंह गोलन।

पूर्व विधायक रणधीर सिंह गोलन ने गांव मुन्नारेहड़ी में अपने करीबी सहयोगी ईश्वर नंबरदार के घर आयोजित चाय कार्यक्रम में शिरकत की और ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की सामाजिक स्थिति, विकास कार्यों और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। पूर्व विधायक ने कहा कि वे समय-समय पर हलकावासियों से मुलाकात करते रहते हैं, ताकि उनकी समस्याएं सीधे सुनी जा सकें और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल किया जा सके। उन्होंने कहा पूंडरी हलका मेरा घर है और यहां का हर निवासी मेरा परिवार। उनके सुख-दुख में साथ रहना मेरी जिम्मेदारी है। गोलन ने यह भी कहा कि वे हमेशा क्षेत्र की भलाई के लिए तत्पर रहते हैं और जनता के साथ गहरा जुड़ाव ही उनकी असली ताकत है।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी पुलिस गिरफ्त में फोटो : हरिभूमि

इटली भेजने के नाम पर ठगी के आरोपी पकड़े

कैथल । विदेश भेजने के सब्जबाग दिखाकर रुपए ठगने वाले आरोपियों पर शिकंजा कसते हुए इटली भेजने के नाम पर लाखों रुपए ठगने के मामले में एक आरोपी को इकनॉमिक सैल द्वारा काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव मोहना निवासी कंवरपाल की शिकायत अनुसार उसके 2 बेटे व एक बहू इटली में रहते हैं। ऐसे में उसके बेटे के साले पूंडरी निवासी सुशील भी इटली जाने की इच्छा कर रहा था। आरोपी एजेंट विक्रम मैहला निवासी महमदपुर जिला करनाल ने उसको बातों में फंसा लिया और कहा कि वह उसको 45 दिन में इटली भेज देगा। इसके बदले उसको 17 लाख रुपए देने होंगे। इसमें से आरोपी ने 5.55 लाख रुपए अलग-अलग खर्च बताकर ले लिए और बाकी पैसे इटली पहुंचकर देने के लिए कहा। जब 45 दिन पूरे होने पर भी इटली का वीजा नहीं आया तो वह उससे पैसे वापस मांगने लगे, लेकिन उसने पैसे वापस नहीं दिए। जिस बारे थाना पूंडरी में मामला दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि मामले की जांच इकनॉमिक सैल के एसआई कुलबीर सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी जिला करनाल के गांव महमुदपुर न वासी विक्रम मेहला को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी शनिवार को अदालत में पेश किया जाएगा, जिससे पूछताछ की जा रही है।

दुकान से मोबाइल फोन चोरी करने के दो नाबालिग सहित चार पकड़े

- करीब 10 लाख रुपए मूल्य के चोरीशुदा 72 मोबाइल फोन व छीनी गई बाइक बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डीएसपी गुरविंद्र सिंह फोटो : हरिभूमि

एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा मोबाइल फोन दुकान से फोन चोरी करने के मामले में 2 नाबालिगों को निरुद्ध करने के अतिरिक्त 2 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रैस वार्ता दौरान डीएसपी गुरविंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव डोहर निवासी रोहित की शिकायत अनुसार सीवन फिरोजपुर रोड पर उसकी एनआरआई नाम से मोबाइल दुकान है।

4 जुलाई की रात दुकान से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा दुकान का ताला तोड़कर ठीक होने के लिए आए हुए करीब 20 स्मार्ट मोबाइल फोन, 6 छोटे मोबाइल फोन तथा 10 हजार रुपए नकदी चोरी कर ली गई। जिस बारे थाना सीवन में मामला दर्ज किया गया। एसपी आस्था मोदी द्वारा एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ को जल्द से जल्द मामले को सोल्व करने के आदेश दिए गए थे। आदेशों पर खरा उतरते हुए एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एसआई शुभकरण, एएसआई जसमेर सिंह, एचसी सुनील कुमार, एचसी अनिल, सिपाही कैलाश व एसपीओ राजेश कुमार तथा होमगार्ड सतीश व मनोज की टीम द्वारा 11 जुलाई की शाम पाडला रोड़ कैथल से एक बाइक सहित आरोपी कैलरम निवासी अनिल व सिरटा रोड कैथल निवासी अमीन को काबू किया गया। उनसे पूछताछ उपरांत चोरी की वारदात में शामिल कैथल निवासी 17-17 वर्षीय 2 नाबालिगों को भी शनिवार सुबह पकड़ा गया। डीएसपी ने बताया कि आरोपियों से व्यापक पूछताछ उपरांत उन्होंने कबूल किया कि उनके द्वारा 4 जुलाई को सीवन में उक्त दुकान से चोरी करने के बाद कैथल रोड़ पूंडरी स्थित एक अन्य मोबाइल दुकान पर चोरी की वारदात की गई। आरोपी अनिल द्वारा कबुल किया गया कि उसने पूंडरी निवासी अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर 4 जुलाई को मटरवा खेड़ी रोड़ पर एक व्यक्ति से पिस्तौल नुमा हथियार की नोक पर मारपीट करते हुए उसकी बाइक व नकदी छीनी थी। जिस बारे युपी निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर थाना पूंडरी में मामला दर्ज है। आरोपी अनिल ने कबूल किया कि उसने अपने साथी को पूंडरी उसके घर छोड़ दिया तथा बाइक लेकर कैथल आ गया।

सीएम दौरे को लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए डीसी। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री दौरे को लेकर डीसी ने किया मुआयना

जींद । आगामी 19 जुलाई को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जिला के उपमंडल जुलाना व गांव नंदगढ़ में प्रस्तावित दौरे को लेकर शनिवार को डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने जुलाना व नंदगढ़ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जुलाना के विश्राम गृह में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग प्रस्तावित दौरे को लेकर सभी तैयारियां मुक्कमल रखें। इसी दिन दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का उनके पैतृक गांव नंदगढ़ में ग्रामीणों के साथ जन्मदिन बनाने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने सबसे पहले जुलाना के अनाज मंडी में बनाए जाने वाले हेलीपैड वाले स्थान का निरीक्षण करके सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उसके बाद अग्रसेन भवन जिसका उद्घाटन प्रस्तावित है, वहां का जायजा लिया। डीसी ने जुलाना की स्वामी गौरक्षानंद गौशाला में पहुंच कर निरीक्षण किया। यहां पर भी मुख्यमंत्री के आगमन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। डीसी ने इसके बाद गांव नंदगढ़ में पहुंच क र स्टेडियम में कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर किए जा रहे पुख्ता इंतजामों की फीडबैक ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस कार्यक्रम को देखते हुए गंभीरता से कार्य करें। वाहन की पार्किंग, पेयजल की व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत इंतजाम समय रहते पूरे हो जाने चाहिए।

स्कूल के प्रधानाचार्या निवेदिता भट्ट के साथ अध्यापक वर्ग

आर.के.एस.डी. स्कूल में एनईपी 2020 से संबंधित कार्यशाला हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

आर.के.एस.डी. पब्लिक स्कूल में एनईपी 2020 से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षा में आए विभिन्न बदलावों और नई शिक्षा नीति के क्रियान्वण से अवगत कराना था। इस कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन (संसाधन व्यक्ति) के रूप में श्रीमती श्वेता गर्ग व दीप कौर ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इस कार्यशाला में अनेक विद्यालयों के शिक्षक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

स्कूल के प्रधानाचार्या निवेदिता भट्ट ने बताया कि सीबीएसई के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए समय-समय पर शिक्षकों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। नई शिक्षा नीति में आए परिवर्तनों व मूलभूत ढांचे को समझने के लिए शिक्षकों को इस प्रकार की कार्यशालाओं में भाग लेना अनिवार्य है।

गुरु साहब की शहीदी के 350 साल पूरे होने पर निकाली जा रही है यात्रा

श्री गुरु तेग बहादुर की शहादत यात्रा का चीका में स्वागत

- यात्रा हिंदू-सिख एकता व भाईचारे का संदेश दे रही है: स. हरपाल सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

गुहला-चीका । नगर कीर्तन के चीका पहुंचने पर स्वागत करते हुए सरदार हरपाल सिंह व विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सदस्य।

सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब, भाई दयाला जी, भाई सती दास और भाई मति दास की शहादत के 350 वर्ष पूर्ण होने पर निकाली जा रही ऐतिहासिक नगर कीर्तन यात्रा आज चीका पहुंची। यात्रा के चीका आगमन पर सर्वप्रथम श्री महावीर दल के सामने हरियाणा शुगरफेड के पूर्व चेयरमैन व पंजाबी साहित्य अकादमी हरियाणा के अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह, पूर्व पार्षद पेहवा सुखविंद्र सिंह, लखविंद्र सिंह ग्रेवाल कुरुक्षेत्र, सामाजिक समरसता हरियाणा के संयोजक ज्ञान चंद जैन बराड़ा, हरिकिशन, महावीर दल के प्रधान सोमप्रकाश जिंदल, अनाज मंडी के प्रधान कर्मचंद गर्ग, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष प्रेम पुनिया व संरक्षक डॉ. विनोद गुप्ता, विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड मंत्री संजीव जिंदल, रोटरी क्लब के प्रधान नरेश जैन, डॉ. सतीश मित्तल सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने नगर कीर्तन का भव्य स्वागत किया और श्री गुरु ग्रंथ साहिब को श्रद्धापूर्वक नमन कर मत्था टेका। इस अवसर पर भाई मनजीत सिंह, संत बाबा दलबारा सिंह रोहीसर फतेहगढ़ साहिब वाले और पूर्व आईजी पंजाब रणबीर सिंह खटरा का शाल ओढ़ाकर और सिरोपा देकर सम्मान किया गया। भाई मनजीत सिंह व संत बाबा दलबारा सिंह ने बताया कि 350 वर्ष पूर्व दिल्ली के चांदनी चौक में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब और उनके साथियों को इस्लाम स्वीकार न करने के कारण मुगल शासक औरंगजेब के आदेश पर शहीद कर दिया गया था। उन्हीं की स्मृति में यह यात्रा आनंदपुर साहिब से आरंभ होकर दिल्ली के चांदनी चौक तक निकाली जा रही है।

ये रहे मौजूद

यात्रा आगे गुरुद्वारा साहिब पातशाही छैवीं एवं नौवीं चीका पहुंची, जहां हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार जगदीश सिंह झींडा व अन्य सदस्यों ने यात्रा का स्वागत किया। झींडा ने इसे हिंदू-सिख एकता की मिसाल करार दिया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष मांगे रमा जिंदल, मंडल अध्यक्ष संजीव जिंदल, सरदार मेजर सिंह, अशोक गर्ग, परमानंद गोयल, प्रो. रामलाल वधवा, सुनील शाह, मन्नू बंसल, गगन गोयल, डॉ. दिनेश कौशिक, नानक शर्मा, अमित जिंदल, सलिंद्र वाल्मीकि, रोहण यादव, मोदी जिंदल, जोनी, टहल सिंह, बोबी, रमेश जिंदल सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया।

खबर संक्षेप

मुनीष शर्मा बने भाजपा के जिला महामंत्री

पूंडरी। भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकत्ता व जिला परिषद सदस्य मुनीष शर्मा फरल को पार्टी द्वारा भाजपा जिला महामंत्री कैथल के पद पर नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने अपने साथियों सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर ढांड का आभार व्यक्त किया। मुनीश शर्मा ने कहा कि पार्टी ने जो विश्वास उन पर जताया है, वे उस पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। वे संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए हर स्तर पर कार्य करेंगे तथा पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाएंगे। उनके समर्थकों व कार्यकर्ताओं में भी खुशी की लहर देखने को मिली। एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर नियुक्ति की बधाई दी व कहा कि मुनीश जैसे जमीनी कार्यकर्ता को अहम जिम्मेदारी मिलना वास्तव में संगठन के लिए सकारात्मक संकेत है।

कैशलेस मेडिकल सुविधा का पत्र जारी करें सरकार

जींद। पुलिस पेंशनर्स की पुलिस लाइन में मासिक बैठक प्रेम सिंह बांगड की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें पुलिस कर्मचारियों व पैंशनरों की मांगो पर विचार विमर्श किया तथा सरकार से सभी मांगे लागू करने की मांग की गई। पुरानी पेंशन लागू की जाए। सरकार द्वारा कैशलेस मेडिकल सुविधा का पत्र जारी किया जाए। सरकार द्वारा घोषित इंपैन्लड अस्पतालों को लागू करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए ताकि पुलिस कर्मचारियों व पैंशनरों को सुविधा समय पर मिल सके।

23 को महाशिवरात्री पर्व, तैयारियों शुरू

राजौंद। शिवरात्रि पर्व को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। इस दिन श्रद्धालु जल अभिषेक करके घर की सुख समृद्धि की कामना करेंगे। दुर्गा मंदिर कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र ने बताया कि शिवरात्रि का पर्व 23 जुलाई को नगर के सभी मंदिरों में धूम धाम के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दिन हरिद्वार से गंगा जल लेकर आने वाला शिव भक्तों को जल चढ़ाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कई मामलों का निपटारा

जींद। शनिवार को जिला न्यायालय परिसर में लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में गठित पीठों में एडीजे जयवीर सिंह, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय कीर्ति जैन, एडीजे जसबीर, न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी पारिंद्र सिंह, एसडीजेएम सफीदों अमित नैन तथा न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी नरवाना अश्वनी गुप्ता शामिल रहे।

शराब ठेकेदार हत्याकांड: अब तक 6 आरोपी गिरफ्तार

25-25 हजारी दो इनामी बदमाश काबू विदेशी एंगल और फंडिंग की भी जांच

सीसीटीवी में कैद हुई थी वारदात, तीनों मुख्य आरोपियों की हुई थी पहचान
20 जून की शाम हुई थी ठेकेदार बिंद्र की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जींद। हत्याकांड में गिरफ्तार इनामी बदमाशों के साथ पुलिस टीम

जिला पुलिस ने गांव खरकरामजी में शराब ठेकेदार की गोलियां मार कर हत्या करने के दो 25-25 हजार रुपये के ईनामी बदमाशों जतिन उर्फ डेविड व रोहित को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में अबतक छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पकड़े गए दोनों बदमाशों को अदालत में पेश कर नौ दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपितों से वारदात में शामिल अन्य लोगों तथा तथ्यों की जानकारी जुटाएगी।

क्या है मामला

गांव महमूदपुर सोनीपत निवासी नवीन ने गत 21 जून को सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 20 जून शाम को उसका दोस्त शराब ठेकेदार गांव खरकरामजी निवासी वीरेंद्र उर्फ बिंद्र गांव में ही शराब ठेके पर था।

रोहित राणा।

जतिन उर्फ डेविड।

कर हमलावरों को सूचना दी है। सदर थाना पुलिस ने नवीन की शिकायत पर राकेश उर्फ मिढा, दीपेंद्र राठी, अजय उर्फ निलिमा, कमल उर्फ कमली, कर्मपाल समेत आठ को नामजद कर कुछ अन्य के खिलाफ हत्या, शस्त्र अधिनियम समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया था। हत्या के बाद सीसीटीवी की जांच में पुलिस ने तीन आरोपियों की पहचान की थी। शिकायत में ठेकेदार वीरेंद्र की हत्या के पीछे जेल में बंद तीन आरोपियों का हाथ बताया था। अब तक इस मामले में 6 गिरफ्तार हो चुके हैं।

उसी दौरान कुछ युवक आए और वीरेंद्र पर फायरिंग कर वीरेंद्र उर्फ बिंद्र की हत्या कर दी थी। नवीन ने आरोप लगाया था कि वीरेंद्र की हत्या जेल में बंद गांव नगूरां निवासी राकेश उर्फ मिढा, गांव साहनपुर निवासी दीपेंद्र राठी, गांव खरकरामजी निवासी अजय उर्फ निलिमा के इशारे पर की गई है। गांव साहनुपुर निवासी कमल उर्फ कमली, गांव हाट निवासी कर्मपाल तथा तीन अन्य ने वारदात को अंजाम दिया है। वीरेंद्र हत्याकांड में गांव खरकरामजी निवासी सुमित, सोनू, अनिल व कुछ अन्य ने रेकी

हत्याकांड में अब तक इनकी हुई गिरफ्तारी

पुलिस ने मामले में गांव साहनपुर निवासी कमल उर्फ कमली, गांव खरकरामजी निवासी सोनू, गांव बुढाखेडा निवासी तकदीर, जुलाना के वार्ड 11 निवासी अजय को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं सीसी टीवी फूटेज में वीरेंद्र पर फायरिंग करते गांव मालवी निवासी रामपाल उर्फ बाबा, गांव रामराय निवासी जतिन उर्फ डेविड, पटियाला चौक निवासी रोहित राणा भी दिखाई दिए थे। जो घटना के बाद से भूमिगत थे। जिला पुलिस ने तीनों आरोपितों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जतिन व रोहित को गिरफ्तार कर लिया है।

सभी एंगल से की जा रही हत्याकांड जांचः एसपी

एसपी कुलदीप सिंह ने बताया कि हत्याकांड में 25-25 हजार के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में छह आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। पकड़े गए दोनों इनामी आरोपितों पर नौ दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से गहनता से पूछताछ के बाद मामले में फरार ईनामी आरोपी रामपाल उर्फ बाबा निवासी गांव मालवी जिला जींद को भी जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बदमाशों के फंडिग को लेकर विदेशी एंगल की भी पुलिस जांच कर रही है।

युवती को भगाने का आरोप, केस

कैथल। ढांड पुलिस ने एक युवती को शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर भाग ले जाने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक व्यक्ति ने ढांड पुलिस को शिकायत में आरोप लगाया है कि गुजरात का उदय 11 जुलाई को उसकी बहन को शादी का झांसा देकर अपने साथ भगा ले गया। सहायक उप निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारपीट में एक घायल

कैथल। शहर के सीवन गेट पर हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। गढी के विनोद कुमार ने बताया कि 10 जुलाई को जब वह रात को करीब 11:00 बजे सीवन गेट कैथल से गुजर रहा था तो अमन कालडा और अंकित गुलाटी ने अपने 6-7 अन्य साथियों के साथ मिलकर उसे पर लाठी और डंडों से मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया। सहायक उप निरीक्षक दलबीर ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जुलाना। जुलाना में भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल का फूल मालाओं से स्वागत करते हुए व्यापारी। फोटो: हरिभूमि

डॉ. पुष्पा तायल को जिला महामंत्री बनाने पर स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭जुलाना

- 19 जुलाई की जुलाना विकास रैली में उमडेंगा भारी जनसैलाब : डा. पुष्पा तायल

भारतीय जनता पार्टी द्वारा जुलाना की सक्रिय व कर्मठ कार्यकर्ता डा. पुष्पा तायल को पार्टी की जिला महामंत्री नियुक्त किए जाने पर जुलाना के लोगों द्वारा फूलमालाओं से उनका भव्य स्वागत किया गया। शनिवार को जुलाना के व्यापारी रामज्ञान गोयल के प्रतिष्ठान पर डा. पुष्पा तायल के पहुंचते ही उनका फूलमालाओं से स्वागत किया और भाजपा के उदघोष लगाएं। वहीं जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल ने उनकी नियुक्ति को लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, मुख्यमंत्री नायब सैनी, संगठन मंत्री फणींद्र नाथ शर्मा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, विधायक रामकुमार गौतम, विधायक देवेंद्र अत्री, जवाहर सैनी, कैप्टन योगेश बैरागी, जिलाध्यक्ष एडवोकेट तेजेंद्र ढुल, प्रभारी मदनलाल गोयल का आभार जताया। डा. पुष्पा तायल ने 19 जुलाई को दो-दो मुख्यमंत्री दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व मुख्यमंत्री नायब सैनी का नंदगढ़ की पावन धरा पर आगमन को लेकर कहा जुलाना विकास रैली में लोगों की भीड़ नहीं बल्कि जनसैलाब उमडेगा। जो कि यह जनसैलाब पहले किसी राजनीतिक पार्टी की रैली में नही देखा होगा। उन्होंने बताया कि अग्रवाल समाज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया जाएगा और उनका जन्मदिन भी मनाने का काम किया जाएगा। डा. तायल ने कहा कि यह रैली जुलाना के विकास के लिए मिल का पत्थर साबित होगी। क्योंकि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी विकास के नए द्वार खोलने का काम करेंगे और करोड़ों रुपये के विकास की सौगात जुलाना को मिलेगी। इस मौके पर इस मौके पर राजेश रोहिल्ला, अजय कुंडू, विमल जिंदल, रामफल रोहिल्ला, नवीन वर्मा, मोनू धारिवाल आदि मौजूद रहे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर कार्यक्रम

- आरसी वमावि में बढ़ती जनसंख्या की चुनौतियां बताई।

हरिभूमि न्यूज ⏭पूंडरी

आरसी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाई में विश्व जनसंख्या दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। पाचार्य मदन मोहन गुंबर ने बच्चों को जनसंख्या दिवस का महत्व बताते हुए कहा कि यह दिवस हर वर्ष 11 जुलाई को विश्व स्तर पर मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 1989 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न चुनौतियों, अवसरों और संसाधनों पर बढ़ते दबाव के प्रति समाज को जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि बढ़ती जनसंख्या के कारण भोजन, जल और ऊर्जा जैसे संसाधनों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है।

पूंडरी। जनसंख्या दिवस विषय पर चित्र बनाते हुए आर.सी. स्कूल पाई के विद्यार्थी।

पीएनबी ने वितरित किया 100 करोड़ ऋण

- पीएनबी मेगा कृषि आउटरीच प्रोग्राम का भव्य आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ⏭नरवाना

पीएमबी के कृषक प्रशिक्षण केन्द्रए सच्चा खेड़ा द्वारा आज पीएनबी मेगा कृषि आउटरीच प्रोग्राम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जींद एवं कैथल मंडलों द्वारा कुल लगभग 100 करोड़ की ऋण लीड्स उत्पन्न की गईं। उपमंडल दंडाधिकारी जगदीश चन्द्र विशेष रूप उपस्थित रहे। पीएनबी मंडल प्रमुख सर्वेन्द्र सिंह, उपमंडल प्रमुख अंजनी निरंजन पीएनबी प्रधान कार्यालय से रमेश चन्द्र झा उप महाप्रबंधक एचएयू से प्रोफेसर डॉण. डीके शर्मा, सरपंच शीशपाल एफटीसी निदेशक हितेश कालरा तथा पीएनबी स्टाफ सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

नरवाना। ऋण राशि का चैक वितरित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

स्टॉल लगाई

शुरुआत एफटीसी निदेशक हितेश कालरा द्वारा सभी अतिथियोंए किसान भाइयों एवं प्रदर्शनी स्टॉल लगाने वाले प्रतिभागियों के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा समय.समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिनका उद्देश्य किसानों को नवीन तकनीकों से अवगत कराना।ए कृषि क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सक्षम बनाना है। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी किसानों एवं स्वयं सहायता समूह सदस्यों का विधिवत पंजीकरण किया गया। एचएयू के प्रोफेसर डॉ. डीके शर्मा ने किसानों को खेती में प्रयोग हो रही नवीनतम तकनीकों की जानकारी दी।

शिक्षक सम्मान एवं छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम

- मानव मित्र मंडल ने दी बलबीर गुप्ता को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि।

हरिभूमि न्यूज ⏭नरवाना

क्षेत्र के प्रसिद्ध शिक्षाविद व सनातन धर्म शिक्षण संस्थाओं के संस्थापक रहे बलबीर चंद गुप्ता की छठी पुण्यतिथि पर मानव मित्र मंडल व प्रगतिशील समाज ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। नरेश वत्स ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत बलबीर गुप्ता को श्रद्धा सुमन अर्पित करने से हुई।गायक राहुल शर्मा ने प्रेरणा गीत से कार्यक्रम का आगाज किया।नगर परिषद के पूर्व प्रधान भारत भूषण गर्ग ने बलबीर गुप्ता के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें इस क्षेत्र में शिक्षा का जनक बताया।इस अवसर पर शिक्षण में श्रेष्ठ योगदान करने वाले शिक्षक माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य बलजीत गोयत को बलबीर चंद स्मृति शिक्षक सम्मान से नवाजा गया।अध्यापक प्रदीप जागलान ने ने बलजीत गोयत के जीवन और कार्यों को रेखांकित किया। बलजीत गोयत ने कहा कि यह सम्मान नहीं बल्कि

नरवाना। सम्मान समारोह में भाग लेते हुए। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

वरिष्ठ सदस्य महावीर गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अनिल गर्ग, वीरेन्द्र मलिक, रेणुका गौतम, अनिल वत्स, नरेन्द्र गर्गएप्रवीण पांचाल, अचल मित्तलए भारत विकास परिषद केशव शाखा एलायंस क्लब एरोटरी क्लब के सदस्य इत्यादि उपस्थित रहे।

उनका सौंपा गया महान उत्तरदायित्व हैएजिन्हे वे पूरा करने का प्रयास करेंगे। मेवा सिंह नैन व वेदांता स्कूल निदेशक प्रदीप नैन ने बलबीर चंद गुप्ता व सामाजिक संगठनों की शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में महती भूमिका पर प्रकाश डाला।

उषा ने पैरा एथलेटिक्स में जीती चांदी

- बेंगलुरु में आयोजित की गई 7वीं अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिता।

हरिभूमि न्यूज ⏭गुहला-चीका

बेंगलुरु में आयोजित 7वीं ओपन पैरा इंटरनेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता में गुहला चीका की खेल नर्सरी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के पहले दिन उषा ने दो पदक, अरुण ने एक स्वर्ण पदक और प्रिंस कुमार ने एक रजत पदक जीता। एथलेटिक्स कोच डॉ. सतनाम सिंह ने जानकारी दी कि यह प्रतियोगिता पैरा कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा 11 से 12 जुलाई तक बेंगलुरु में आयोजित की जा रही है। इसमें विभिन्न देशों से लगभग 500 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें से खेल नर्सरी चीका के 5 खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। उषा ने डिस्कस थ्रो में रजत पदक, अरुण ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक और प्रिंस कुमार ने भाला फेंक में रजत पदक प्राप्त किया।

गुहला-चीका। खिलाडियों को सम्मानित करते अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

5 दिवसीय सोपान गाइड प्रशिक्षण शिविर

- पीएम श्री नवोदय विद्यालय कैथल में संपन्न हुआ कार्यक्रम।

हरिभूमि न्यूज. कैथल

पीएम श्री. जवाहर नवोदय विद्यालय कैथल में नवोदय विद्यालय समिति की ओर से 8 जुलाई से 12 जुलाई 2025 तक पांच दिवसीय तृतीय सोपान गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।इसमें करनाल संकुल के आठ जवाहर नवोदय विद्यालयों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।जवाहर नवोदय विद्यालय कैथल, यमुनानगर, अंबाला, सोनीपत, कुरुक्षेत्र, फतेहाबाद, पंचकूला और करनाल के कुल 63 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्राचार्य सुचिता गुप्ता,उप प्राचार्य डालचंद गुप्ता के कुशल नेतृत्व एवं गाइड कैप्टन रेशमी सहारण के प्रबंधन में शिविर चला। बाहर से आए हुए प्रशिक्षकों, संतोष डीओसी गाइड रिटायर्ड प्रिंसिपल गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी, स्कूल कलायत, कमलेश डीटीसी गाइड ने शिविर में भारतीय स्काउट गाइड के नियमों,झंडा,गीत,प्रतिज्ञा के बारे में बताया।गाइड्स को गांठे लगाना आदि के बारे में सिखाया।कैंप फायर के दौरान गाइड छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम का आनंदन लिया।12 जुलाई को प्रार्थना सभा के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कैथल। शिविर में प्रशिक्षण लेते जेएनवी के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

स्वास्थ्य विभाग ने शुरू किया एनीमिया उन्मूलन अभियान

30 हजार सैंपल लिए, 9 हजार में खून की कमी

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक माह के लिए जिला में एनीमिया उन्मूलन अभियान की शुरूआत की गई है। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की ओर से एनीमिया यानी खून की कमी से पीड़ित लोगों की पहचान कर उन्हें आयरन की गोलियां वितरित की जा रही हैं।

अबतक स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगभग 30 हजार लोगों के रक्त की जांच की गई है। जिसमें लगभग नौ हजार लोग ऐसे पाए गए हैं, जिनमें खून की कमी पाई गई है। एक माह तक चलने वाले इस अभियान के दौरान दो लाख से अधिक लोगों की जांच का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य एनीमिया की रोकथाम, समय पर पहचान और प्रभावी उपचार सुनिश्चित करना है।

एनीमिया मुक्त अभियान जिलास्तर पर चलाया जा रहा है। नागरिक अस्पताल में तीन जगह डैस्क लगा कर स्वास्थ्यकर्मी खून की जांच कर रहे हैं। बाकायदा अभियान के तहत लोगों को एनीमिया के लक्षण, बचाव और इलाज के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

जिनमें 11 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन पाया जा रहा है, उन्हें खून बढ़ाने की गोलियां दी जा रही हैं। स्वास्थ्य विभगा ने सामान्य, मध्यम व गंभीर एनीमिया के रोगियों की कैटेगरी बनाई गई हैं।

यह हैं एनीमिया से बचाव के उपायः एनीमिया से बचाव के लिए संतुलित भोजन व मौसम अनुसार उपलब्ध फल व सब्जी का सेवन करें। पालक, गाजर, चुकंदर, गुड़, चना दाल आदि का सेवन करना चाहिए। खाद्य पदार्थ जिसमें आयरन भरपूर मात्रा में हों, इनका सेवन से यह बीमारी ठीक हो सकती है। इसके अलावा खून में हीमोग्लोबिन के स्तर की जांच व उपचार करवाएं, प्रतिदिन हरी सब्जियां, फल, अनाज और दालें खाने व व्यायाम से एनीमिया को दूर किया जा सकता है। एनीमिया मिलने पर आयरन की गोली व सिरप की आयुवर्ग अनुसार निर्धारित खुराक लें, आंत के कीड़ों के लिए हर छह माह में एल्बेंडाजोल की गोली लेनी चाहिए।

यह हैं एनीमिया के लक्षण : जल्दी थक जाना व सांस फूलना, सुस्ती व नींद आते रहना, जल्दी-जल्दी बीमार पडना, पढ़ाई, खेलकूद व अन्य कार्यों में मन न लगना, भूख न लगना, चक्कर आना, जीभ, हथेलियों व आंखों में सफेदपन इसके लक्षण हैं।

गर्भवती महिलाएं करवाएं जांच

नोडल अधिकारी डा. संदीप मलिक ने बताया कि कम हीमोग्लोबिन वाले मरीजों को हरी पत्तेदार सब्जियां, चुकंदर, गुड़, अनार, खजूर आदि आयरन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करना चाहिए। चाय व कॉफी जैसे पेय पदार्थों को भोजन के तुरंत बाद लेने से परहेज करना चाहिए। आयरन के अवशोषण में बाधक होते हैं। अनीमिया की समय पर जांच से न केवल बीमारी की रोकथाम संभव है बल्कि यह महिलाओं व बच्चों के समग्र स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। अभियान के दौरान स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुंच कर जांच अवश्य करवाएं। गर्भवती महिलाएं नियमित रूप से खून की जांच करवाएं।

छह श्रेणियों में होगी जांच

सामान्य मरीजों को पहले की तरह प्राथमिक स्तर पर आयरन की दवा दी जाएगी। वहीं अब गंभीर एनीमिया रोगियों को दवाएं देने के साथ जब तक ये ठीक नहीं होते तब इनकी मॉनिटरिंग कर फीडबैक भी लिया जाएगा। इसके अलावा छह माह से 59 माह तक के बच्चे, पांच से नौ वर्ष तक के बच्चे, 10 से 19 वर्ष के किशोर व किशोरियां, गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं की विशेष जांच होगी।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक , रविवार 13 जुलाई 2025

एआई अब केवल विशिष्ट ही नहीं लगभग हर क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ा रहा है। लेकिन इसके पॉजिटिव के बजाय मिसयूज होने की आशंका से पूरी दुनिया के लोग चिंतित हैं। यही वजह है कि एआई यूज करने को लेकर कुछ ग्लोबल रूल्स-रेग्यूलेशंस डिसाइड करने के उद्देश्य से जापान में सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और चुनौतियों पर एक नजर।

अब जल्द डिसाइड होंगे एआई यूज करने के रूल्स

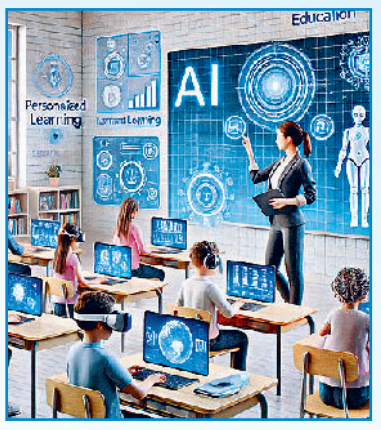

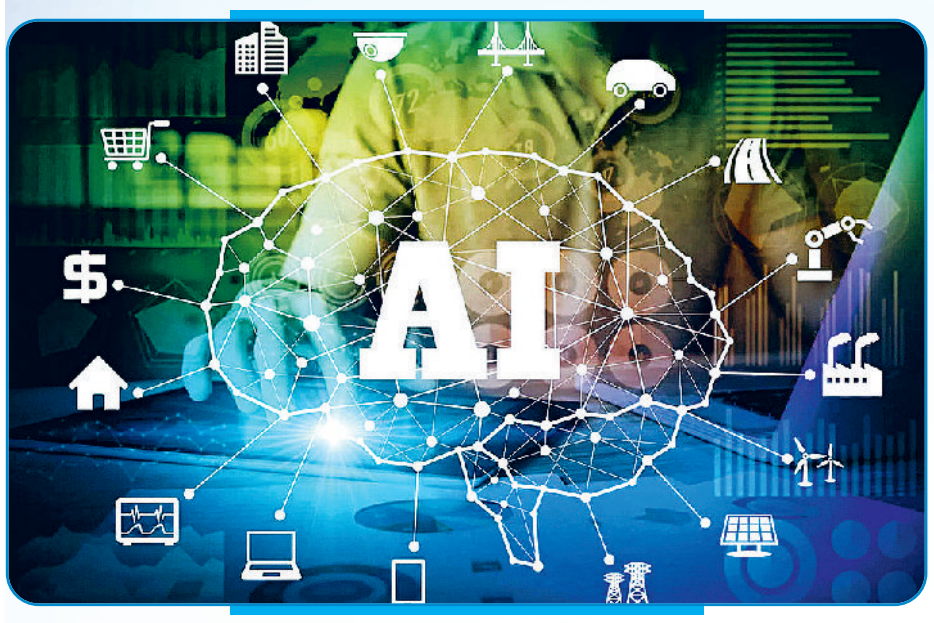

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

आगामी 27 से 29 जुलाई 2025 तक टोक्यो (जापान) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर तीन दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में मानव समाज के लिए एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय होगी।

पहले भी होते रहे हैं प्रयास

साल 2010 से ही पश्चिमी दुनिया में एआई के मानव जीवन में इस्तेमाल को लेकर जबर्दस्त नैतिक दुविधा का वातावरण रहा है। इसलिए सन 2010 में दुनिया भर की सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संगठन और शोध संस्थान मानव केंद्रित एआई के इस्तेमाल के बीच सिद्धांतों की दिशा तय करने के लिए लगातार विचार और विमर्श की एक श्रंखला प्रसारित करते रहे हैं। साल 2010 से शुरू हुए इस व्यापक विचार-विमर्श ने 2021 में यूरोपीय आयोग के उस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्ट का मसौदा प्रकाशित करने तक के सफर को पूरा किया, जहां से यह तय होना शुरू हुआ कि अंततः एआई को मानव समाज के लिए वर्गीकृत कर लिया जाए और इसकी सुरक्षा, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को अलग-अलग दायित्वों के साथ जोड़ा जाए। अमेरिका में 2022 का एल्गोरिद्म जवाबदेही अधिनियम, फरवरी 2022 में कांग्रेस के दोनों सदनों में पेश किया गया था। इसके बाद जून 2022 में कनाडा ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एक्ट का प्रस्ताव रखा, जिसमें उच्च प्रभाव वाली एआई प्रणालियों के बारे में जोखिम प्रबंधन और सूचना प्रकटीकरण अनिवार्य कर दिया गया। जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एआई के लिए मानव केंद्रित दृष्टिकोण पर चर्चा करने की उम्मीद की और अब अंततः जापान में ही आगामी जुलाई माह में तीन दिनों तक एआई को लेकर जो एक विशद सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उसका उद्देश्य एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करना है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

वास्तव में यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई सिद्धांतों की समीक्षा करेगा- मसलन वैश्विक एआई नीति ढांचों में गहराई से विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि मानव गरिमा, विविधता, समावेश और पारदर्शिता मुख्य मुद्दे के रूप में गहन विचार-विमर्श के केंद्र में रहें। यूरोप, जापान, ओईसीडी तथा जी-7 जैसे संगठनों के बीच विचारों के आदान-प्रदान पर जोर होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई वैश्विक रूप से अनुकूल और एकीकृत दिशा ले सके। इस सम्मेलन में सिर्फ सिद्धांतों तक बात सीमित नहीं रहेगी बल्कि तकनीकी सुरक्षा पर भी फोकस होगा। तकनीकी जोखिम जैसे बायस, एलाइनमेंट, आउटपुट के स्पष्टीकरण इत्यादि की भी केंद्रीय चर्चा होगी। सबसे ज्यादा इस बात पर जोर दिया जाएगा कि इंसानी समाज के नजदीकी नैतिक मुद्दों के साथ-साथ भविष्य की चिंताओं जैसे मानव-समान बुद्धिमत्ता और चेतना जैसी जटिल स्थितियां भी विचार में रहेंगी। अगर यह कहा जाए कि अंततः यह सम्मेलन एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय करेगा या उस दिशा की ओर आगे बढ़ेगा, तो गलत नहीं होगा।

कुछ नियम होंगे निर्धारित

यह जरूरी नहीं है कि इस सम्मेलन के बाद एआई से संबंधित कोई वैश्विक नियम लागू हो ही जाए कि एआई का इस्तेमाल इस नियम के तहत किया जाएगा। हो सकता है अभी यहां तक बात न पहुंचे, लेकिन इस सम्मेलन से यह तय होगा कि एआई किन क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेगी। मसलन स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत विकास, जैसे मानव हितैषी क्षेत्रों में एआई का किस तरह ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक इस्तेमाल करके मानव समाज को बेहतर बनाया जाए। इस सम्मेलन में यह भी तय होगा कि एआई का उपयोग हथियारों को घातक बनाने, इंसान की सूक्ष्म निगरानी करने या उसके विरुद्ध अमानवीय प्रयोगों में न किया जाए। इसके लिए सिर्फ रोक-टोक भर काफी नहीं होगी बल्कि स्पष्ट रूप से नियम बनाए जाएंगे और कड़े से कड़े नैतिक सवालों से उन्हें घेरा जाएगा।

एआई विकास की दिशा तय होगी

सवाल है आखिर किन मूल्यों के आधार पर भविष्य में एआई का विकास हो और उसके इस्तेमाल की दिशा तय हो? सुनिश्चित रूप से अभी तक इस सम्मेलन की जो विमर्शगत थीम तैयार हुई है, उसके मुताबिक इस सम्मेलन में एआई की पारदर्शिता, उसकी जवाबदेही, मानव गरिमा और अधिकारों का सम्मान तथा विविधता व समावेशिता के नियमों पर कड़ाई से एआई को खरा उतरना पड़ेगा। इस बात पर पूरी दुनिया के बीच एक निर्णायक समझ बनेगी। यह सम्मेलन एआई तकनीकी विकास की भी दिशा तय करेगा। मसलन, ऐसी तकनीक विकसित होगी, जिसका उद्देश्य मानव समाज के व्यापक हित में हो और जिसके विकास का निर्णय समझाया जा सके। इस सम्मेलन में बायस फ्री एआई यानी ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति सहमति बनेगी, जिसमें पहले से कोई पूर्वग्रह न हो और हां, अंतिम रूप से यह तय किया जाएगा कि एआई का अंतिम नियंत्रण मनुष्य के हाथ में रहे, एआई के हाथ में मनुष्य का नियंत्रण न जाए। यह सम्मेलन विभिन्न देशों, विभिन्न टेक्नो कंपनियों और समाज के बीच क्या सही है, क्या गलत है, इस पर अंतिम रूप से अपनी निर्णायक सोच विकसित करेगा ताकि भविष्य में एआई का इस्तेमाल बेतरतीब न हो बल्कि यह नैतिक और जिम्मेदारी के नियंत्रण में रहे। कुल मिलाकर यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई विकास, वैश्विक नैतिक दिशा निर्देश, तकनीकी सुरक्षा और एआई को लेकर एक दीर्घकालिक समझ को विकसित करेगा। *

कई वजहों से महत्वपूर्ण होगा यह सम्मेलन

अगर कहा जाए कि होने वाला यह सम्मेलन मानव समाज के लिए अंततः एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करेगा, इसके लिए कानून भले न बनाए, लेकिन नीति, प्राथमिकता और नैतिक दिशा तय करेगा, तो गलत नहीं होगा। वास्तव में यह सम्मेलन इसीलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि- इसमें नीति और नवाचार के बीच सेतु बनाया जाएगा। इस सम्मेलन में एआई को लेकर जारी वैश्विक दिशा में जापान की अपनी भागीदारी बढ़ेगी। तकनीकी संरक्षण और नैतिक शासन के दृष्टिकोण से जापान को भी केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए अवसर इस सम्मेलन के जरिए हासिल होगा। साथ ही इस सम्मेलन में स्वतंत्र अनुसंधानों और मल्टी स्टेकहोल्डरों की दृष्टि साझी होगी। मतलब यह कि यह सम्मेलन सिर्फ सरकार या तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उद्योग जगत, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन के जरिए इसमें निर्णायक हस्तक्षेप करेंगे।

{ फ्यूचर प्लानिंग / शैलेंद्र सिंह }

बहुत जल्द अंतरिक्ष में होगा इंडियन स्पेस स्टेशन

फिलहाल आईएसएस और चीन के स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में एक्टिव हैं। इनके अलावा जल्द ही भारत का अपना स्पेस स्टेशन भी स्पेस में पहुंच जाएगा। इसकी प्लानिंग और खासियतों पर एक नजर।

अब से दो वर्ष पहले 23 अगस्त 2023 को जब भारत, चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बना था, उसके पहले किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि भारत जैसा देश भी आने वाले एक दशक के भीतर स्पेस में अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की भी घोषणा कर सकता है। लेकिन जब हम चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफल हुए, उसके बाद यह घोषणा की थी। अब किसी को इस बारे में आशंका नहीं रह गई है कि निकट भविष्य में भारत, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना लेगा।

तीन साल बाद होगा लांचः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने साल 2028 तक भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन लांच करने का ऐलान किया है। उसके मुताबिक 2028 में लांच होने वाला मॉड्यूल एक रोबोटिक मॉड्यूल होगा यानी, एक ऐसा उपग्रह जहां हम डॉक कर सकते हैं, प्रयोग कर सकते हैं और वापस आ सकते हैं। लेकिन इंसान का अंतरिक्ष स्टेशन पर जाना साल 2035 के बाद ही संभव होगा।

कुछ ऐसा था पहला आईएसएसः अंतरिक्ष स्टेशन (एसएस) पृथ्वी की निचली कक्षा में एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन या रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह होता है। दुनिया का पहला अंतरिक्ष स्टेशन साल्युट 1 था, जिसे तत्कालीन सोवियत संघ (अब मुख्य तौर पर रूस) ने 19 अप्रैल 1971 को कजाकिस्तान के बायकोनूर कॉसमोड्रोम से लांच किया था। यह अंतरिक्ष स्टेशन करीब 20 टन वजनी और बेलनाकार था। इसकी लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 4.25 मीटर थी। सिंगल डॉकिंग पोर्ट वाला यह स्टेशन, तीन कार्यशील खंडों में विभाजित था। इसके भेजने का मुख्य मकसद लंबी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा में इंसान के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना और अंतरिक्ष से पृथ्वी की निरंतर तस्वीरें लेना था।

दुनिया का पहला एसएस साल्युट-1

अभी एक्टिव हैं दो एसएसः अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में पूरी तरह से कार्यरत दो अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद हैं। पहला आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन) और दूसरा चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन यानी टीएसएस। वर्तमान में जो कार्यरत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन है, उसे 20 नवंबर 1998 को लांच किया गया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के नेतृत्व में संचालित यह स्पेस स्टेशन एक बहुराष्ट्रीय सहयोग से संचालित परियोजना है। इसमें 5 देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां भागीदार हैं। अमेरिका की नासा (नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन), रूस की रोस्कोस्मोस, जापान की जेएएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी), यूरोप की ईएसए (यूरोपीयन स्पेस एजेंसी) और कनाडा की सीएसए (कनाडियन स्पेस एजेंसी)। इस स्पेस स्टेशन में छह भाग हैं, जिसमें दो बाथरूम, एक जिम और एक 360 डिग्री का दृश्य दिखाने वाली खिड़की। नासा के मुताबिक इस अंतरिक्ष स्टेशन की माप करीब 109 मीटर है। इसे 1984 और 1993 के बीच डिजाइन किया गया था। साल 2000 से इस अंतरिक्ष स्टेशन में दुनिया के अलग-अलग देशों के एस्ट्रोनॉट्स ने रहना शुरू किया। ये अंतरिक्ष यात्री यहां रहकर दूसरे ग्रहों की स्टडी और विभिन्न तरह के दूसरे प्रयोग करते हैं। मौजूदा आईएसएस धरती से करीब 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर रहकर पृथ्वी के चक्कर काटता है। इसकी रफ्तार 28 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा है, जिससे यह महज 90 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा कर लेता है।

आईएसएस के अलावा अंतरिक्ष में जो दूसरा अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है, वह चीन का तियांगोंग है। यह एक स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन है, जिसकी लंबाई 55 मीटर या 180 फीट है। इसमें तीन मॉड्यूल हैं, जिसमें एक कोर मॉड्यूल है, जहां छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। इसके अलावा चीन के इस अंतरिक्ष स्टेशन में 3,884 क्यूबिक फुट या 110 क्यूबिक मीटर के दो मॉड्यूल हैं। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन, नासा के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से छोटा है। यह पृथ्वी से 450 किमी तक कक्षीय ऊंचाई पर काम करता है।

ऐसा होगा इंडियन स्पेस स्टेशनः इसरो ने अपनी इस महत्वाकांक्षा का खुलासा साल 2019 में ही कर दिया था और तब ही ऐलान भी किया था कि अगले 20 से 25 सालों में भारत का अंतरिक्ष में अपना बेस होगा। कहने का मतलब यह कि अंतरिक्ष स्टेशन इसरो के फ्यूचर प्लान में काफी पहले से शामिल रहा है। इसरो के मुताबिक प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल का वजन 8 टन होगा, जिसका वजन बाद में 20 टन का भी हो सकता है। इसमें एक साथ 4 से 5 एस्ट्रोनॉट्स रह सकेंगे और इसे पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा में रखा जाएगा, जिसे एलईओ (लोअर अर्थ ऑर्बिट) कहते हैं और यह धरती से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। भारत अपने गगनयान मिशन को भी पृथ्वी के लोअर आर्बिट में ही भेजने वाला है, वहीं पर इसरो का अपना स्पेस सेंटर भी स्थापित होगा। भारत सरकार ने इसके लिए जरूरी फंड कई साल पहले जारी कर दिया था। *

{ गजल / अवतार सिंह अक्षरजीवी }

सच बोलने वाले

सच बोलने के खतरे बहुत हैं
सच बोलने वाले मरते बहुत हैं
सब जानते हैं फिर भी सच
कहते हैं कम, डरते बहुत हैं
न देखा न सुना जाता है ये
हौव्वा है इससे छुपते बहुत हैं
गिर गया तो उठाता नहीं कोई
सच से लोग खिचकियाते बहुत हैं
ठाठकों में कमी छुपाते हैं लोग
सच कहने वाले पे हंसते बहुत हैं
सच बोलने वाले गिनती के हैं बस
झूठ पर जीने वाले मिलते बहुत हैं

{ लघुकथा / गीता सिंह }

बांझिन का घर

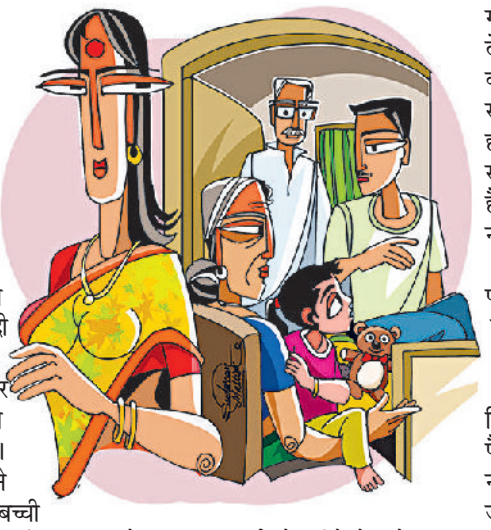

सुजाता अपने सास-ससुर के लिए चाय-नाश्ता बना रही थी, जो बस थोड़ी देर पहले ही आरा से पटना आए थे। सुजाता के सास-ससुर अपनी पोती से मिलने के लिए अकसर आरा से पटना आ जाया करते थे। बेटे की शादी के काफी सालों बाद उन्हें दादा-दादी बनने का सौभाग्य जो प्राप्त हुआ था।

रविवार की छुट्टी थी। सुजाता का पति समीर आज घर पर ही था। वह सोफे पर बैठा हुआ टीवी देख रहा था। पास ही तीन साल की बेटी बिट्टो भी अपने खिलौनों से खेल रही थी। बीच-बीच में वह अपने पापा से टीवी पर कार्टून चैनल लगाने की जिद्द भी करती, लेकिन समीर बिट्टो को झिड़क देता। बच्ची डरकर शांत बैठ जाती या रोते हुए अपनी मम्मी के पास पापा की शिकायत लेकर पहुंच जाती। सुजाता, बेटी को कभी प्यार तो कभी गुस्से से समझाकर वापस खेलने के लिए भेज देती।

तभी सुजाता ने समीर को आवाज लगाई, 'चाय-नाश्ता तैयार हो गया है। टीवी बंद कर मम्मी-पापा के कमरे में चले जाइए। आप भी वहीं बैठकर उनके साथ नाश्ता कर लीजिए।'

समीर अनमने मन से टीवी बंद करके दूसरे कमरे में मम्मी-पापा के पास चला गया। कमरे में घुसते ही वहां का हाल देखकर झल्लाते हुए बोला, 'बिट्टो तो घर में कोई सामान जगह पर नहीं रहने देती। सब सामान इधर-उधर फैलाती रहती है। बेड का हाल तो देखो जरा, कितनी बुरी हालत हो रही है। उफ्फ! बेडशीट पर इतनी सिलवटें हैं, कितनी गंदी हो गई है। कभी घर साफ ही नहीं रहता।'

इस बात पर सुजाता कुछ बोलती, उससे पहले उसकी सासू मां बोल पड़ीं, 'अरे, बच्चे वाला घर है, किसी बांझ-बांझिन का घर थोड़ी न है, जो हरदम साफ रहेगा।' उन्होंने ऐसा बोलकर अपने बेटे को तो शांत कर दिया, किंतु सुजाता के भीतर घोर अशांति फैला दी। उसका मन अशांत होता भी क्यों नहीं? आखिर सुजाता के मन-मस्तिष्क पर जमे कुछ शब्दों के अर्थ आज सामने जो थे।

बरसों से करीने से सजे साफ-सुथरे घर रखने पर तब जो तारीफ सुजाता को दूसरों से मिला करती थी, सासू मां मौजूद होने पर थोड़ा मुस्कुराते हुए हमेशा यही बात बोला करती थीं, 'घर तो साफ रहेगा ही...।'

सासू मां इतना बोलकर चुप हो जाती थीं। सुजाता को तब लगता कि शायद सासू मां उसकी तारीफ में ऐसा बोला करती हैं। ...लेकिन आज उन्होंने पूरी बात बोलकर, उन शब्दों के अर्थ अनजाने में ही सुजाता के सामने प्रकट कर दिए थे- 'घर तो साफ रहेगा ही... बांझिन का घर जो ठहरा...' *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आत्मीय ऊष्मा से भीगे संस्मरण

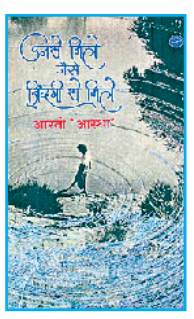

कवयित्री और कथाकार आरती 'आस्था' के द्वारा लिखे गए दस संस्मरणों की किताब 'उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले' हाल में छपकर आई है। इनमें एक तरफ जहां उनके निजी जीवन की छवियां उजागर होती हैं, वहीं आज के संवेदनहीन होते जा रहे समय में भावनात्मक संबंधों की अत्यंत सघन अनुभूतियां, मन को आश्वस्त करती हैं कि अब भी दुनिया में बहुत कुछ सुंदर और संजोने लायक बचा हुआ है। इनमें राजेंद्र राव, ओम निश्चल, कृष्ण बिहारी, विनोद श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी और आशीष शुक्ला जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में अर्जित अनुभूतियों को लेखिका ने मार्मिकता के साथ शब्दों में पिरोया है। इनके अलावा कुछ ऐसे स्नेही स्वजनों के प्रति भी उन्होंने शाब्दिक कृतज्ञता अर्पित की है, जिन्होंने जीवन के कठिन समय में उन्हें संबल दिया। शिल्पगत कृत्रिमता से मुक्त, सहज भाषा में लिखे गए ये संस्मरण मन में ठहर जाते हैं। वास्तव में ईमानदारी और सहजता ही इन संस्मरणों का सौंदर्य है, जो पारंपरिक संस्मरण विधा की बनी-बनाई परिधि से इतर इन संस्मरणों को अलग पहचान प्रदान करता है। प्रख्यात साहित्यकार यश मालवीय ने पुस्तक की भूमिका में उचित ही लिखा है, 'पृष्ठ-पृष्ठ पर जैसे यादों का लोहबान जल रहा है। आत्मीय ऊष्मा से नहा गया है मन।' *

पुस्तकः उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले, **लेखिकाः** आरती 'आस्था', **मूल्यः** 180 रुपए, **प्रकाशकः** सर्व भाषा ट्रस्ट, दिल्ली

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

Advt...

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

तीर्थयात्रा
डॉ. शिबन कृष्ण रैणा

हर वर्ष सावन माह में बाबा अमरनाथ धाम में प्राकृतिक रूप से निर्मित होने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश भर से हजारों-लाखों श्रद्धालु अमरनाथ तीर्थयात्रा करते हैं। अत्यंत दुर्गम होने के बावजूद धार्मिक आस्था और पुण्य अर्जित करने की कामना से भक्तगण इस यात्रा में भरपूर उत्साह से सम्मिलित होते हैं। इस यात्रा की विशिष्टता और महत्ता के बारे में जानिए।

आध्यात्मिक आनंद-अक्षय पुण्य प्रदान करती है अमरनाथ यात्रा

भारत वर्ष तीर्थों की पवित्र भूमि है। इस धरा पर ऐसा कोई प्रांत नहीं, जहां तीर्थस्थल न हों। ये तीर्थस्थल दीर्घकाल से आस्था एवं विश्वास के प्रमुख केंद्र रहे हैं। सनातन धर्मावलंबियों के लिए कश्मीर प्रांत में स्थित अमरनाथ नामक तीर्थस्थल का विशेष महत्व है। कल्हण की 'राजतरंगिणी' में इस तीर्थ को 'अमरेश्वर' कहा गया है। अमरनाथ हिंदी के दो शब्द 'अमर' अर्थात 'अनश्वर' और 'नाथ' अर्थात 'भगवान' को जोड़कर बनता है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों- सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ॐकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, वैद्यनाथ, त्रयंबकेश्वर, रामेश्वरम, नागेश्वर और घृष्णेश्वर के अतिरिक्त अमरनाथ का भी विशेष महत्व है। शिव के प्रमुख स्थलों में अमरनाथ अन्यतम है। इसीलिए अमरनाथ को तीर्थों का तीर्थ कहा जाता है। मृत्यु को जीतने वाले मृत्युंजय शिव अमर हैं, इसीलिए अमरेश्वर भी कहलाते हैं। श्रद्धालु अमरेश्वर को ही बाबा अमरनाथ और बर्फानी-बाबा भी कहते हैं। अमरनाथ तीर्थस्थल जम्मू-कश्मीर राज्य के श्रीनगर शहर के उत्तर-पूर्व में 141 किलोमीटर दूर समुद्र तल से 3,888 मीटर (12756 फुट) की ऊंचाई पर स्थित है। इस गुफा की लंबाई (भीतर की ओर गहराई) 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। 40 मीटर ऊंची अमरनाथ गुफा में पानी की बूंदों के जम जाने की वजह से ठोस बर्फ का एक अप्रतिम-दैवीय शिवलिंग निर्मित होता है।

पौराणिक मान्यता: एक पौराणिक गाथा के अनुसार भगवान शिव ने पार्वती को अमरत्व का रहस्य (जीवन और मृत्यु के रहस्य) बताने के लिए इसी गुफा को चुना था। कथा के अनुसार जब देवी पार्वती ने भगवान शिव से अमरत्व के रहस्य को प्रकट करने के लिए कहा, तब यह रहस्य बताने के लिए भगवान शिव, पार्वती को हिमालय की इस गुफा में ले गए, ताकि उनका यह रहस्य कोई भी न सुन पाए और यहीं पर भगवान शिव ने देवी पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था।

पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता: इतिहासकारों का मानना है कि अमरनाथ यात्रा, हजारों वर्षों से चली आ रही है। अमरनाथ-दर्शन का महत्त्व पुराणों में भी मिलता है। बृंगेश संहिता, नीलमत पुराण, कल्हण की राजतरंगिणी आदि में इस तीर्थ का उल्लेख मिलता है। नीलमत पुराण में अमरेश्वर के बारे में दिए गए उल्लेख से पता चलता है कि इस तीर्थ के बारे में छठी-सातवीं शताब्दी में भी लोगों को जानकारी थी। स्वामी विवेकानंद ने 1898 में जब अमरनाथ गुफा की यात्रा की तो भावविभोर होकर कहा था, 'मुझे सचमुच लगा कि स्वयं शिव के दर्शन हो गए हैं। मैंने ऐसी सुंदर प्रतिमा कभी नहीं देखी और न ही किसी धार्मिक-स्थल की यात्रा का इतना आनंद आया।'

यात्रा के हैं दो मार्ग: अमरनाथ की गुफा तक पहुंचने के लिए सामान्यतः दो मार्ग हैं। प्रथम पहलगाम मार्ग और दूसरा सोनमर्ग-बालतल मार्ग। पहलगाम मार्ग अपेक्षाकृत सुविधाजनक है, जबकि बालतल मार्ग हालांकि अमरनाथ की गुफा से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन यह मार्ग अत्यंत दुर्गम है। सामान्यतः यात्री पहलगाम मार्ग से ही अमरनाथ यात्रा करते हैं। पहलगाम से अमरनाथ की दूरी 45 किलोमीटर है। इस यात्रा मार्ग में चंदनबाड़ी, शेषनाग तथा पंचतरणी तीन प्रमुख रात्रि पड़ाव हैं। प्रथम पड़ाव चंदनबाड़ी है, जो पहलगाम से 12.8 किलोमीटर की दूरी पर है। तीर्थयात्री पहली रात यहीं पर बिताते हैं। दूसरे दिन पिस्सू घाटी की चढ़ाई प्रारंभ होती है। चंदनबाड़ी से 13 किलोमीटर दूर शेषनाग में अगला पड़ाव होता है। यह चढ़ाई अत्यंत दुर्गम है। यहीं पर पिस्सू घाटी के दर्शन होते हैं। पूरी यात्रा में पिस्सू घाटी का मार्ग बहुत कठिन है। पिस्सू घाटी समुद्र तल से 11,120 फुट की ऊंचाई पर है। इसके पश्चात यात्री शेषनाग पहुंचते हैं। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबाई में फैली हुई झील अत्यंत सुंदर है। तीर्थयात्री रात्रि में यहीं विश्राम करते हैं। तीसरे दिन यात्रा पुनः आरंभ होती है। इस यात्रा मार्ग में महागुणास दर्रे को पार करना पड़ता है। महागुणास से पंचतरणी का पूरा रास्ता ढलान-युक्त है। छोटी-छोटी पांच नदियों के बहने के कारण यह स्थान पंचतरणी नाम से प्रसिद्ध हुआ है। पंचतरणी से अमरनाथ की पवित्र गुफा 6 किलोमीटर की दूरी पर है। गुफा के समीप पहुंच कर पड़ाव डाल दिया जाता है तथा प्रातःकाल पूजन इत्यादि के पश्चात शिव के हिमलिंग के दर्शनोपरांत भक्तजन पुण्य लाभ के भागीदार बनते हैं।

प्राप्त होता है पुण्य लाभ: प्रतिवर्ष संपन्न होने वाली इस पुण्यदायिनी यात्रा से अनेक पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि अमरनाथ दर्शन और पूजन से महापुण्य प्राप्त होता है। शास्त्रों में इंद्रिय निग्रह पर विशेष बल दिया गया है, जिससे मुक्ति की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में वर्णित है कि अमरनाथ यात्रा 'निग्रह' के बिना ही मुक्ति प्रदान करने वाली है, क्योंकि यात्राक्रम में आने वाली कठिनाइयों और गंतव्य-स्थल पर पहुंच कर होने वाले अनेकविध अनुभवों के कारण तीर्थयात्री को विविध प्रकार के सांसारिक कष्टों का बोध होता है। साथ ही शिव के हिमलिंग रूप के दर्शन से उसका हृदय इतना संयमित हो जाता है कि इंद्रिय-निग्रह किए बिना ही उसे मुक्ति प्राप्त होती है। भोलेनाथ भक्तों के समस्त भव रोगों और दुःखों का समूल नाश करते हैं।

श्रद्धा-सौहार्द भरी यात्रा: श्रावण मास में पवित्र हिमलिंग के दर्शनार्थ लाखों लोग भिन्न-भिन्न प्रदेशों से यहां आते हैं। अमरनाथ यात्रा से संबंधित एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक तथ्य यह है कि यह यात्रा पारस्परिक सद्भाव के प्रचार-प्रसार का कार्य भी करती है। विभिन्न प्रांतों से शिव के दर्शनार्थ आने वाले भक्तों में परस्पर समभाव की भावना विकसित होती है। विभिन्न भाषा-भाषी लोगों में परस्पर वार्तालाप होता है, भाईचारे की भावना का विकास होता है और विभिन्न प्रांतों की भौगोलिक जानकारी का आदान-प्रदान होता है। अतः अमरनाथ तीर्थयात्रा को तीर्थाटन के अतिरिक्त श्रद्धा, ज्ञान एवं सौहार्द के समुच्चय के रूप में भी जाना जाता है। *

अगर आप चाहते हैं कि लोग आपकी पर्सनालिटी से इंप्रेस हो, हर कोई आपसे जुड़ना चाहे, आपकी हेल्प करने को तैयार रहे, तो इसके लिए आपको खुद में कुछ क्वालिटीज को डेवलप करना होगा। इस बारे में जानिए।

पर्सनालिटी बनेगी मैग्नेटिक
डेवलप करें ये क्वालिटीज

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

मनीष का सोशल सर्कल देखकर उसके कुछ रिश्तेदारों को बड़ी हैरानी हुई। उसकी बेटी की शादी थी तो उसकी पूरी सोसाइटी और ऑफिस के लोग उसकी मदद के लिए ऐसे तत्पर थे, मानो वह कोई बहुत बड़ी हस्ती हो। किसी को कहने भर की देर थी काम चुटकियों में हो रहा था। कुछ रिश्तेदारों को उसके इस रुतबे से बेहद खुशी हुई, तो कुछ को ईर्ष्या भी महसूस हुई। उसके चचेरे भाई ने जरूर उसकी पीठ ठोकते हुए कहा, 'भाई तूने अपनी अच्छी रेपुटेशन बना रखी है। बिल्कुल चुंबक है, चुंबक।' ऐसी चुंबकीय पर्सनालिटी का स्वामी बनना बहुत कठिन बात नहीं है। इसके लिए आपको बस कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

दूसरों को स्पेशल फील कराएं: हर व्यक्ति स्वयं को महत्वपूर्ण मानता है और चाहता है कि दूसरे भी उसे मान सम्मान दें। यह स्वभाव सामान्य से लेकर अति विशिष्ट तक हर व्यक्ति का होता है। सब चाहते हैं कि उसकी सराहना की जाए और वह ऐसे ही व्यक्ति को पसंद करते हैं, जो उन्हें ऐसा महत्व देता है। इसलिए मानव व्यवहार की इस मूलभूत इच्छा को समझें और लोगों के साथ ऐसा ही आचरण करें। जाहिर है, वे भी आपके साथ ऐसा ही व्यवहार करेंगे।

सोशल नेटवर्क बढ़ाएं: हमारे जीवन में सामाजिक संबंधों का होना बेहद जरूरी है। ये प्रोफेशनल ही नहीं, पर्सनल लाइफ में भी बहुत सपोर्ट करते हैं। लोगों से मेल-जोल बढ़ाएं। उनके साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करें। महत्वपूर्ण अवसरों पर उन्हें निमंत्रण और उपहार दें। किसी के निमंत्रण पर वहां जरूर जाएं। अगर कोई मुसीबत में है और उसे आपकी जरूरत है तो उसकी यथासंभव मदद करें। आपका मृदु व्यवहार और मिलनसार स्वभाव न सिर्फ आपका सामाजिक दायरा बढ़ाता है, यह आपको उन ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद कर सकता है, जिनकी आप कामना करते हैं।

आभार और बधाई देना सीखें: सहयोग या मदद के बदले आभार प्रकट करने वाले और किसी की उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं देने में आगे रहने वाले लोगों को हर कोई पसंद करता है। लेकिन ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते। आप अगर इन दोनों गुणों को अपना लेते हैं तो लोग आपको जरूर पसंद करेंगे, आपको इंपॉर्टेंस देंगे।

उम्मीदें ना करें: लोगों से उम्मीदें रखने से अकसर निराशा हाथ लगती है। जब आपकी उम्मीदें पूरी नहीं होतीं, तो आप उनके प्रति बुरा सोचने लगते हैं। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक ही है। फिर दूसरे भी आपसे दूर रहने लगते हैं। जीवन में व्यावहारिक बनें और सरल सोचें। अगर आपने किसी की मदद की है, तो वह आपका स्वभाव है और आपको सुविधा थी तो आपने वैसा किया। इस भाव से मदद करने और संपर्क रखने पर जादुई असर होता है। लोगों के एक बड़े समूह के बीच आप लोकप्रिय होने लगते हैं।

शब्दों का चयन सावधानी से करें: आप लोगों से अपनी बातचीत के माध्यम से जुड़ते हैं। उन्हें प्रभावित भी संवाद से ही किया जा सकता है। आप बोलते वक्त कैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, आपकी टोन कैसी है, बॉडी लैंग्वेज कैसी है आदि बातें बहुत मायने रखती हैं। दूसरों की बात गौर से सुनें, आई कॉन्टेक्ट रखें। कोई अपनी बात कह रहा है तो बीच में अपनी गाथा ना सुनाएं। अनचाही सलाह देने से बचें और तेज आवाज में बात न करें। कम्युनिकेशन स्किल जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है, चाहे वह रिश्ते बनाना हो या कारोबार बढ़ाना हो। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली होने लगेगा। लोग आपसे जुड़ते चले जाएंगे। *

उपयोगी पेड़
वीना गौतम

अच्छी सेहत के साथ अच्छी आमदनी भी कराए अनार

पौष्टिकता और औषधीय गुणों से भरपूर अनार का वैज्ञानिक नाम 'पुनिका ग्रैनटम' है। यह 'लिथरेसी' परिवार का पेड़ है। हाल के सालों में अनार एक महत्वपूर्ण नकदी फसल के रूप में उभर कर सामने आया है। अनार मध्यम आकार का झाड़ीनुमा वृक्ष होता है, जो आमतौर पर 6 से 8 फुट ऊंचा होता है, लेकिन व्यवस्थित तरीके से देखरेख करने पर इसके पेड़ 10 से 15 फीट तक भी ऊंचे हो सकते हैं। इसका फल गोलाकार, कठोर परत वाला होता है। इस कठोर परत के नीचे लाल रंग के रसदार दाने भरे होते हैं।

सदियों पुराना पेड़: अनार मूलतः ईरान और उत्तरी भारत का देशज पेड़ माना जाता है। भारत में अनार का पेड़ प्राचीनकाल से मौजूद रहा है। हमारे प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी अनार के औषधीय गुणों का उल्लेख मिलता है। प्राचीनकाल में अनार राजा-महाराजाओं के लिए ही उपलब्ध था, यह उनके भोजन और फलाहार का हिस्सा हुआ करता था।

अनार की विभिन्न किस्में: भारत में अनार की पाई जाने वाली सबसे लोकप्रिय किस्म 'भगवा' है। इस किस्म के फल बड़े और दाने चमकदार लाल रंग के होते हैं। निर्यात के लिए यह उपयुक्त किस्म मानी जाती है। भगवा के अलावा कंधारी, गणेश, अर्का मृदुला, अर्का रक्षक, ज्योति, रूबी नाम की किस्में पाई जाती हैं। हर किस्म की कुछ न कुछ खासियत होती है।

भारत में खेती: पहले अनार का पेड़ आमतौर पर हिमालयी क्षेत्रों और दक्कन के पठार में ही पाया जाता था। मगर आजकल देश के ज्यादातर हिस्सों में इसकी अलग-अलग किस्में उगाई जाती हैं। भारत में व्यावसायिक दृष्टि से अनार का सर्वाधिक उत्पादन महाराष्ट्र में होता है। महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, मध्य प्रदेश और पंजाब के कई क्षेत्रों में भी अनार की खेती की जाती है। अनार की खेती के लिए उपयुक्त दशाओं की बात करें तो इसके लिए लिए कम वर्षा, हल्की दोमट मिट्टी और 5.5 से 7.5 पीएच की भूमि सबसे उपयुक्त होती है।

किसानों के लिए फायदेमंद: एक एकड़ जमीन में करीब 400 से 500 अनार के पेड़ लग जाते हैं और हर पेड़ से कम से कम 10 से 12 किलो अनार का उत्पादन होता है। प्रति एकड़ 4000 से 6000 किलोग्राम तक अनार का उत्पादन हो सकता है। इसमें 60 हजार से 1 लाख रुपए के बीच लागत आती है। अगर इसका बाजार भाव 80 रुपए भी मिल जाए तो किसान को हर साल 3 से 4 लाख रुपए की आमदनी हो सकती है। *

टेक्नो-बिहेवियर
मेघा राठी

लगभग सभी सोशल मीडिया यूजर्स इमोजी का यूज करते ही हैं। लेकिन इसका यूज करते समय कुछ एटिकेट्स का ध्यान रखना जरूरी है। इमोजी डे (17 जुलाई) के अवसर पर जानिए इनके बारे में।

जब यूज करें इमोजी ना भूलें एटिकेट्स

इन दिनों सोशल मीडिया पर चैटिंग करने के दौरान या मैसेज भेजते समय इमोजी का यूज करना एक ट्रेंड बन गया है। लेकिन इमोजी भेजते समय लापरवाही बरतना आपकी इमेज बिगाड़ सकता है, आपको नॉनसिरीयस साबित कर सकता है। इसलिए जरूरी है कि शब्दों की तरह ही इमोजी का भी यूज सोच-समझकर करें।

डिजिटल युग में कम्युनिकेशन: वर्तमान डिजिटल युग में संवाद का स्वरूप तेजी से बदला है। सोशल मीडिया पर लेख, पोस्ट, सूचनाएं या अनुभव कुछ भी पढ़कर शीघ्रता से प्रतिक्रिया के रूप में 'लाइक', 'डिसलाइक' या किसी अन्य प्रतीक के रूप में इमोजी भेज दिया जाता है। इनमें सबसे अधिक प्रयोग होने वाला चिन्ह है- दिल। यह प्रतीक जो मूलतः प्रेम, आत्मीयता या गहरे भावनात्मक जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन अब रिएक्शन का सबसे सरल प्रतीक बन गया है। चाहे विषय गंभीर हो, आध्यात्मिक हो, संघर्षपूर्ण जीवन अनुभव हो या सामाजिक समस्या-सब पर एक समान प्रतिक्रिया के रूप में यह चिन्ह लगा दिया जाता है।

प्रतीकों का भी होता है संदर्भ: वास्तव में, 'दिल' तब उपयुक्त प्रतीक होता है, जब विषय आत्मीय हो- जैसे मित्रता, स्नेह, समर्थन या व्यक्तिगत अनुभवों में सहानुभूति। लेकिन जब विषय दार्शनिक, वैचारिक या तर्कसंगत हो या जब वह शोक, पीड़ा या सामाजिक असमानता से जुड़ा हो, तब ऐसे प्रतीकों से प्रतिक्रिया देना विषय की गंभीरता को हल्का बना देता है। यह न केवल लेखक के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि भेजने वाले की समझ पर भी प्रश्न उठाता है।

हर जगह इमोजी भेजना उचित नहीं: इमोजी भेजने की प्रवृत्ति सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रही, अब लोग आधिकारिक ईमेल, विभागीय संदेश या वरिष्ठों को भेजे जाने वाले संवादों में भी इमोजी का प्रयोग करने लगे हैं। यह न केवल संवाद की गंभीरता को कम करता है, बल्कि कई बार यह आपकी अनुशासनहीनता या असंवेदनशीलता का संकेत भी माना जा सकता है। इसलिए ऐसा करने से बचना चाहिए। इमोजी का प्रयोग मित्रता, निजी वार्तालाप में उपयुक्त है, लेकिन इसकी सीमाएं स्पष्ट होनी चाहिए। डिजिटल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ विवेक भी आवश्यक है।

डिजिटल एटिकेट का रखें ध्यान: किसी भी इमोजी को सेलेक्ट करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें।

- सोच-समझकर इमोजी का चयन करें।
- कार्यालय या वरिष्ठों के साथ संवाद में औपचारिक भाषा अपनाएं।
- गंभीर विषयों पर केवल इमोजी के बजाय मौलिक प्रतिक्रिया दें।
- यदि इमोजी भेजना हो तो विषय के अनुकूल ही सेलेक्ट करें। प्रतीकों का प्रयोग प्रासंगिकता के साथ होना चाहिए, न कि केवल आदत या सुविधा के कारण। *

कुछ कॉमन इमोजी

- ❤️ स्नेह, मित्रता, सहानुभूति, प्रेरणा।
- 😂 हंसी मजाक, मीम, हल्के-फुल्के निजी संवाद।
- 😢 संवेदना, शोक व्यक्त करने के लिए।
- 🙏 धन्यवाद, सम्मान, श्रद्धांजलि, प्रार्थना।
- 🔥 प्रेरक कार्य, जोश, उपलब्धि की सराहना।
- 👏 किसी की उपलब्धि, प्रेरक विचार का समर्थन।
- 😍 रोमांटिक या सौंदर्य-प्रशंसा से जुड़े।
- 🤔 तर्क, प्रश्न, विचार-उत्तेजक विषय।

सिने-जगत / अशोक जोशी

हम जो पर्दे पर देखते हैं, वो सितारों की रील लाइफ होती है। जो जिंदगी वह वास्तव में जीते हैं, वह उनकी रियल लाइफ होती है। पर्दे पर हमें जीवंत, सुखी, स्वस्थ और ढाई घंटे में बरसों लंबी जिंदगी के दर्शन करा देने वाले कुछ सितारे ऐसे भी हैं, जिनकी जिंदगी किसी शॉर्ट फिल्म जितनी ही छोटी रही।

कम उम्र में गुजरे बीते दौर के सितारे: पिछली सदी में पचास का दशक हिंदी फिल्मों का आरंभिक दौर था। उस दौर में अभिनेता श्याम एक जाने माने सितारे थे, जिनकी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिरने से मौत हो गई थी। जिस समय यह हादसा हुआ, उनकी उम्र केवल 31 बरस ही थी। के.एल. सहगल हिंदी फिल्म के मशहूर गायक और अभिनेता थे। लेकिन शराब की लत के कारण उन्हें लीवर सिरोसिस हो गया था। मात्र साढ़े बयालिस साल की उम्र में सहगल इस दुनिया से विदा हो गए।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को 'प्यासा', 'कागज के फूल', 'साहेब बीवी और गुलाम' जैसी क्लासिक फिल्में देने वाले गुरुदत्त महज 39 वर्ष की उम्र में दुनिया छोड़ गए थे। गुरुदत्त को इन्सोम्निया (स्लीप डिसऑर्डर) की बीमारी थी। कहा जाता है कि शराब के अत्यधिक सेवन और नींद की गोली के ओवरडोज के कारण उनकी मृत्यु हो गई थी।

हाल में गुजर गए युवा सितारे: बीते कुछ दशकों की बात करें तो फिल्म और टेलीविजन के कई प्रसिद्ध कलाकार बेहद कम उम्र में ही जिंदगी की जंग हार गए। सुशांत सिंह राजपूत ने सिर्फ 34 साल की उम्र में कथित आत्महत्या कर ली। हालांकि सुशांत की मौत की वजहों को लेकर आज भी कई तरह की अटकलें लगाई जाती हैं। बिग बॉस 13 के विनर और टीवी के मशहूर अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला की हार्ट अटैक के कारण हुई अचानक मृत्यु ने सभी को स्तब्ध कर दिया था। सिद्धार्थ सिर्फ 40 साल की उम्र में इस दुनिया से रुखसत हो गए। अभिनेता इंदर कुमार महज 44 साल की उम्र में दुनिया छोड़ कर चले गए। उनके निधन की भी वजह हार्ट अटैक को ही माना गया था। हालांकि अपने निधन से कुछ साल पहले इंदर कुमार एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हेलिकॉप्टर से जमीन पर गिर गए थे और तभी से उनको कई परेशानियां शुरू हो गई थीं।

कई अभिनेत्रियां भी गुजर गईं कम उम्र में: हिंदी सिनेमा की वीनस कही जाने वाली मोहक व्यक्तित्व की मलिका मधुबाला की मुस्कान आज भी दर्शकों के मस्तिष्क पर छाई हुई है। फिल्मी करियर के साथ ही उनका जीवन भी छोटा ही रहा। उन्होंने 36 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनकी मृत्यु का कारण दिल की बीमारी बताया जाता है। इसी तरह ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी की रियल लाइफ भी किसी ट्रेजडी से कम नहीं थी। पारिवारिक विवाद और दुःख से परेशान मीना कुमारी ने शराब से नाता जोड़ लिया था। अपने गम में डूबी मीना कुमारी 38 वर्ष की उम्र में इस दुनिया से कूच कर गईं। अपने जमाने की सफलतम नायिकाओं में से एक गीताबाली भी चेचक की बीमारी के कारण मात्र 34 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गईं। प्रतिभाशाली अभिनेत्री स्मिता पाटिल जब सिनेमा में आईं तो लगा था कि मीना कुमारी की खाली जगह भर जाएगी। अपने छोटे से फिल्मी जीवन में स्मिता पाटिल ने न केवल समानांतर फिल्मों में अपनी जगह बनाई बल्कि अमिताभ बच्चन के साथ 'नमक हलाल' जैसी सुपरहिट कॉमर्शियल फिल्म की सफलता में बराबर का योगदान दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश डिलीवरी के दौरान पीलिया से पीड़ित होकर वह मात्र 29 साल की उम्र में स्वर्ग सिधार गईं। बाद के दौर की बात करें तो उभरती नायिका दिव्या भारती को भी बेहद कम उम्र में मौत ने अपनी आगोश में ले लिया था। सफलता के सिंहासन पर बैठी यह नायिका मात्र 19 साल की उम्र में एक हादसे का शिकार हो चल बसीं।

स्मिता पाटिल

प्रत्युषा बनर्जी

हाल में दिवंगत हुईं एक्ट्रेसेस: बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में नजर आईं एक्ट्रेस जिया खान भी 25 की उम्र में दुनिया को छोड़ गईं। जिया ने खुदकुशी कर ली थी। धारावाहिक 'बालिका वधु' से अपनी पहचान बनाने वालीं प्रत्युषा बनर्जी ने भी जिंदगी से हार मान कर मौत को गले लगा लिया। प्रत्युषा ने महज 24 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली थी। ऐसे ही कई सफल एवं उभरती हुई अभिनेत्रियों की मृत्यु बेहद कम उम्र में हुई। अगर एकदम हाल की घटना का जिक्र करें, तो 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर मॉडल-एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला हाल ही में 42 वर्ष की उम्र में अचानक दुनिया को अलविदा कह गईं। *

हाल में ही एक्ट्रेस-मॉडल शेफाली जरीवाला की अचानक हुई डेथ ने सबको चौंका दिया। लेकिन शेफाली से पहले भी हिंदी सिनेमा और छोटे पर्दे के कई एक्टर-एक्ट्रेसेस बहुत कम उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह गए हैं। ऐसे ही कुछ कलाकारों पर एक नजर, जो युवावस्था में ही इस जहान से रुखसत हो गए।

सितारे जिन्होंने कम उम्र में ही
दुनिया को कह दिया अलविदा

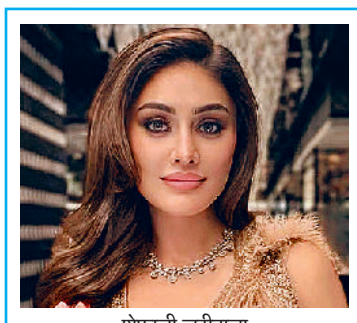

शेफाली जरीवाला

सुशांत सिंह राजपूत

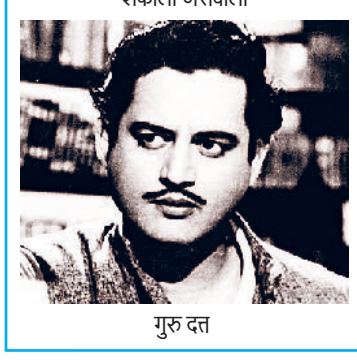

गुरु दत्त

मीना कुमारी